संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-23 अंक- 56
पृष्ठ 8
शुक्रवार
13 नवम्बर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बोर होना समय की बर्बादी नहीं..

विचार- एसआईआर पर नए सवाल

खेल- अनुष्का शर्मा बनीं भारत ए टीम...

उत्तर प्रदेश का ब्रांड बन चुका है बुलडोजर : योगी



लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुलडोजर को उत्तर प्रदेश का ब्रांड बताते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि अगर कम्पनियां राज्य में बुलडोजर का निर्माण करेंगी तो देश,विदेश में खुदबखुद इसकी मांग होगी। मुख्यमंत्री यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र के सेक्टर आठकृडी में सीएनएच इंडस्ट्रियल के ट्रैक्टर निर्माण संयंत्र के शिलान्यास समारोह को वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में कानून एवं व्यवस्था स्थापित होने के पीछे केवल पुलिस भर्ती ही नहीं बल्कि पुलिस के आधुनिकीकरण के साथ–साथ अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति का एक प्रमुख योगदान रहा है। मुख्यमंत्री ने इस दौरान बुलडोजर का जिक्र करते हुए कहा, श्श्आपने उत्तर प्रदेश के बुलडोजर की चर्चा जरूर सुनी होगी और इसीलिए मैं सीएनएच से इस बारे में कहूंगा कि आप उत्तर प्रदेश में बुलडोजर बनाएंगे तो देश और विदेश में स्वतः ही इसकी मांग होगी क्योंकि यह पहले ही उत्तर प्रदेश का ब्रांड बन चुका है। उत्तर प्रदेश में आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार के लिए बुलडोजर एक सशक्त राजनीतिक प्रतीक के रूप में उभरा है। यह सरकार की अपराध के प्रति सख्त और अतिक्रमण–विरोधी छवि को दर्शाता है। विपक्ष सरकार पर कथित रूप से मनमाने तरीके से बुलडोजर चलाकर लोगों के घर और अन्य इमारतें गिराने का आरोप लगाते हुए इसकी आलोचना करता रहा है। मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा, जिस प्रदेश के नाम में ही उत्तर है उसके सामने वर्ष 2017 से पहले कई प्रश्न थे। पलायन का, उपेक्षा का, पिछड़ेपन का, पहचान का और अराजकता का प्रश्न था, मगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश आज उपद्रव से उत्सव प्रदेश बन चुका है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि प्रदेश में रूल ऑफ माफिया के स्थान पर रूल आफ लॉ स्थापित हुआ है सुदृढ़ कानून व्यवस्था के कारण उत्तर प्रदेश ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, भय मुक्त कारोबार और कारोबार करने के भरोसे की दिशा में तेजी के साथ आगे बढ़ चुका है और आज इस प्रदेश के सामने देश–विदेश की कंपनियां लाइन लगाकर निवेश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश देश के प्रमुख निवेश गंतव्यों के रूप में अपनी एक नई पहचान बन चुका है। आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश की डबल इंजन की सरकार ने उत्तर प्रदेश को इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश, उद्योग और रोजगार के ग्रोथ हब के रूप में स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश ने मूलभूत ढांचे के विकास एवं इस ऑफ डूइंग बिजनेस रिफॉर्म्स और एक मजबूत क्षेत्रवार नीति कार्ययोजना के माध्यम से निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया है।

दिवाली मिलन समारोह में पीएम मोदी बोले-

यहां कुछ भी असंभव नहीं माना जाता



नयी दिल्ली,एजेंसी। नयी दिल्ली स्थित भाजपा कार्यालय में गुरुवार को दिवाली मिलन समारोह आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वहां मौजूद पत्रकारों को संबोधित किया। पत्रकारों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, अभी–अभी दीपावली का पर्व बीता है और छठ की तैयारी अंतिम दौर में है। मेरी ओर से आप सभी को और आपके परिजनों को इन पर्वों की बहुत–बहुत शुभकामनाएं। त्योहारों के समय हर कोई अपने परिवार के साथ और अपनों के साथ समय बिताने की कोशिश करता है। आपका काम ऐसा है कि ब्रेकिंग न्यूज के लिए भागदौड़ लगी रहती है। ऐसी व्यस्तता में आप सभी इस नॉन–ब्रेकिंग न्यूज वाले कार्यक्रम में आए। मैं आप सबका बहुत आभारी हूं। उन्होंने कहा, मुझे याद है कि 90 के दशक की शुरुआत में मुझे 2 बड़ी यात्राओं में देशभर में व्यवस्थाओं के लिए दायित्व मिला था। ये वो दौर था, जब प्रेस रिलीज भेजने के लिए भी फैक्स मशीन ढूंढनी पड़ती थी। यहां नई पीढ़ी के बहुत साथी हैं लेकिन जो पुराने लोग हैं, वो जानते हैं कि मेरा लंबे समय से आप सबकी दुनिया के साथ एक सहज संबंध रहा है। प्रेस रिलीज से लेकर इंस्टा रील तक मैंने मीडिया का और मीडिया संवाद का एक लंबा दौर देखा है। प्रधानमंत्री ने कहा, मुझे बराबर याद है, पता नहीं आपकी कौन सी ताकत है जो हमें यहां परेशान कर देती है। किसी को पता नहीं था, पार्टी में ऊपर के जो 2–4 लोग थे, बस उनको पता था। मैं यहां 11 अशोक रोड पर एक कमरे में रहता था। अचानक एक दिन सारे पत्रकारों की गैंग मेरे कमरे में घुस गई। उस समय एक महिला ब्रिगेड हुआ करती थी। उन्होंने मुझसे कहा कि मिठाई खिलाओ! जब मैंने पूछा कि क्यों भाई, तो उन्होंने कहा कि आप गुजरात जा रहे हो, आप मुख्यमंत्री बनने जा रहे हो।

कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में ताजा बर्फबारी, पहाड़ों ने ओढ़ी बर्फ की सफेद चादर

श्रीनगर। कश्मीर के ऊंचाई वाले कई इलाकों में ताजा बर्फबारी हुई जबकि मैदानी क्षेत्रों में बारिश हुई है। इसके कारण दिन के तापमान में कई डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के कारण गुलमर्ग और सोनमर्ग जैसे पर्यटन स्थलों समेत कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में रात भर बर्फबारी हुई। उन्होंने बताया कि गुरेज और कुपवाड़ा के ऊपरी इलाकों के साथ–साथ जोजिला दर्रे तथा दक्षिण कश्मीर के शोपियां में मुगल रोड पर भी बर्फबारी की सूचना है। अधिकारियों ने बताया कि श्रीनगर–लेह राष्ट्रीय राजमार्ग को जोड़ने वाले जोजिला दर्रे पर बर्फ जमा होने के कारण इस राजमार्ग पर यातायात रोक दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर सहित घाटी के मैदानी इलाकों में बारिश हुई। अधिकारियों ने कहा कि बारिश और बर्फबारी के कारण दिन के तापमान में कई डिग्री की गिरावट आई है। अधिकारियों ने बताया कि बारिश के कारण उत्तर कश्मीर में राजनवानी के पास उरी–बारामूला राष्ट्रीय राजमार्ग पर भूस्खलन भी हुआ, जिससे यातायात बाधित हो गया। भूस्खलन के कारण सड़क पर मलबा और बड़े–बड़े पत्थर जमा हो गए, जिससे वाहनों की आवाजाही रुक गई और यात्री फंस गए।

मोदी सरकार में बढ़ती महंगाई पर कांग्रेस का कटाक्ष, सब चंगा सी से सब महंगा सी हो गया

नयी दिल्ली कांग्रेस ने महंगाई को लेकर बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहले सब चंगा सी का दावा किया था, लेकिन अब स्थिति यह है कि सब महंगा सी हो गया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अच्छे दिन का वादा किया गया था, लेकिन, हर दिन महंगाई का नया वार किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि महंगाई के खिलाफ वोट मांगकर सत्ता में आई सरकार के कार्यकाल में महंगाई का खामियाजा मध्यम और गरीब वर्ग को भुगतना पड़ रहा है। रसोई से लेकर रोजमर्रा के उपभोक्ता उत्पादों तक की बढ़ती कीमतों ने हर घर का बजट बिगाड़ दिया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि दूध, चावल, आटा, दाल, खाद्य तेल, प्याज, आलू, टमाटर, चीनी और घी समेत रोजमर्रा की जरूरी वस्तुओं के दाम आसमान छू रहे हैं।

गाजियाबाद जेल में आजम खां से मिले शिवपाल यादव, बोले-

2027 में सरकार बनी तो खत्म करेंगे जाली से मुलाकात की व्यवस्था

गाजियाबाद,एजेंसी। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने बृहस्पतिवार को गाजियाबाद जिला कारागार पहुंचकर जेल में बंद पार्टी के कद्दावर नेता आजम खां से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की सरकार पर आजम खां और उनके परिवार को लगातार निशाना बनाने का आरोप लगाया। शिवपाल ने कहा कि आजम खां के खिलाफ झूठे मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं और शासन–प्रशासन की ओर से उनका उत्पीड़न किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब उन्हें न्यायपालिका से ही उम्मीद है। अदालत से उन्हें न्याय जरूर मिलेगा। आजम खान ने उनसे कहा किश 2027 में सरकार बनाइए। शिवपाल यादव के गाजियाबाद पहुंचने पर समाजवादी पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने वेदांता टोल प्लाजा पर उनका जोरदार स्वागत किया। इसके बाद उनका काफिला जिला कारागार के लिए रवाना हुआ। जेल पहुंचने पर प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर मीडिया कर्मियों को मुख्य प्रवेश द्वार से पहले ही रोक दिया। पत्रकारों को जेल परिसर के भीतर जाने की अनुमति नहीं दी गई। जेल अधीक्षक सीताराम शर्मा ने शिवपाल यादव की मुलाकात के संबंध में जानकारी दी। जेल में आजम खां से मुलाकात के बाद शिवपाल यादव ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आजम खां को लगातार परेशान किया जा रहा है। उनके खिलाफ दर्ज किए गए मुकदमे झूठे हैं और उनके साथ न्याय नहीं हो रहा है। शिवपाल ने कहा कि चार बार मंत्री और दो बार सांसद रह चुके आजम खां के साथ जेल में बुनियादी नियमों और प्रोटोकॉल का भी पालन नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आजम खां का एकमात्र दोष यह है कि उन्होंने गरीब बच्चों को शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक विश्वविद्यालय बनाया। इसके बावजूद उन्हें लगातार कानूनी और प्रशासनिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शिवपाल ने आरोप लगाया कि जेल में मुलाकात के दौरान भी नियमों का उल्लंघन किया गया और दोनों नेताओं के बीच जाली लगाकर बातचीत कराई गई। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी आजम खां के साथ खड़ी है और उनके परिवार के साथ भी पार्टी के रिश्ते पहले की तरह बने रहेंगे। अब इस मामले में न्यायपालिका से ही उम्मीद है कि वह उन्हें न्याय दिलाएगी। शिवपाल यादव ने उत्तर प्रदेश की राजनीति और आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भी बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता भाजपा सरकार से नाराज है और समाज का हर वर्ग उसके खिलाफ है। उन्हें पूरा विश्वास है कि 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी।



उन्होंने कहा कि अगर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनती है तो जेलों में मुलाकात के दौरान जाली लगाने की व्यवस्था को समाप्त किया जाएगा। उनके मुताबिक, जेल में बंद लोगों से मुलाकात के लिए नियमों का पालन होना चाहिए और किसी के साथ भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए।

भाजपा–आरएसएस ने सोनिया गांधी को लेकर झूठ फैलाया, अब सामने आ रहा सच : प्रियंका

वायनाड, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने उनकी मां एवं पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के बारे में हमेशा झूठ फैलाए और अब जब वह अपने संस्मरण के जरिये अपनी बात रख रही हैं, तो उसे झूठा बताया जा रहा है। उन्होंने सोनिया गांधी के हाल ही में प्रकाशित संस्मरण पर भाजपा की प्रतिक्रिया को लेकर यह टिप्पणी की। केरलम के वायनाड से लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी ने कहा, भारत में मेरी मां के जीवन के अधिकांश समय में भाजपा, आरएसएस और कई अन्य लोगों ने उनके बारे में मनगढ़ंत बातें कही हैं। उन्होंने झूठ फैलाए, कहानियां गढ़ीं और पूरी तरह से ऐसी बातें बना दीं, जिनका कोई आधार नहीं था। वह अब तक चुप रही हैं। अब वह अपनी कहानी बता रही हैं।



उन्हें अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है। उनका कहना था, वे इतने लंबे समय से मेरी मां के बारे में झूठ बोलते रहे। अब वह सच बता रही हैं। जाहिर है कि वे उनकी बातों को झूठा ही कहेंगे। वे और क्या कह सकते हैं? खैर, मुझे खुशी है कि वे उनकी किताब पढ़ रहे हैं। भाजपा ने मंगलवार को आरोप लगाया था कि सोनिया गांधी ने अपने संस्मरण में 1975 में आपातकाल लागू किए जाने को उचित ठहराने की कोशिश की है और 1984 के सिख विरोधी दंगों के मामले में अपने दिवंगत पति एवं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को क्लीन चिट दी है। भाजपा ने यह भी कहा कि सोनिया गांधी की किताब बिलॉन्गिंग ए जर्नी ऑफ लव का नाम व्हाइटवॉशिंग (दाग धोने की कोशिश) होना चाहिए था। प्रियंका ने कहा कि उनकी मां जो कुछ स्पष्ट करना चाहती थीं या जिस विषय पर अपना दृष्टिकोण रखना चाहती थीं, उन्होंने उसे अपनी किताब में दर्ज किया है। उन्होंने कहा, हर व्यक्ति का अपना निजी दृष्टिकोण और अपनी कहानी होती है, है कि नहीं?

PRESS
हमेशा आपके साथ

दैनिक एवं साप्ताहिक हिंदी समाचार पत्र

शहर समता
संयम ★ संस्कार ★ संतुलन

Website
www.shaharsamta.com

Subscribe on YouTube
youtube.com/@shaharsamtanews

सही खबर, सही समय पर

स्थापित 2001 • RNI Dainik UPHIN/2004/22466 • साप्ताहिक UPHIN/2001/03996 • कार्यालय 289/238 A कर्नलगंज प्रयागराज • संपर्क 9005239332, 9450482227

घर पहुंचने की जद्दोजहद, बिहार जाने वाली किसी भी ट्रेन में जगह नहीं

प्रयागराज। लोक आस्था के महापर्व छठ पर घर लौटने की चाह में प्रवासियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। प्रयागराज से बिहार जाने वाली नियमित और विशेष ट्रेनों में सीटें फुल हैं। लंबी प्रतीक्षा सूची और नो रूम के बीच तत्काल टिकट भी यात्रियों को राहत नहीं दिला पा रहा है। बुधवार को रामबाग, प्रयागराज जंक्शन और प्रयाग स्टेशन पर टिकट के लिए लंबी कतारें लगीं, लेकिन कुछ ही मिनटों में सीटें भर गईं। अब महापर्व छठ ने प्रवासियों के दिलों की धड़कनें तेज कर दी हैं। घर–परिवार के साथ महापर्व को मनाने की बेताबी ऐसी है कि संगमनगरी से बिहार जाने वाले हर



छठ पर घर लौटने की चाह ट्रेनों में जगह नहीं!

एक ट्रेन पूरी तरह से पैक हो गई है। बिहार जाने वाली शायद ही कोई ऐसी ट्रेन बची हो, जिसमें पांव रखने की भी जगह मिल सके। नियमित ट्रेनों से लेकर स्पेशल गाड़ियों तक में लंबी प्रतीक्षा सूची (वेटिंग लिस्ट) और नो रूम होने से समस्या बढ़ गई है। बुधवार सुबह से ही रामबाग, प्रयागराज जंक्शन और प्रयाग स्टेशन के आरक्षण काउंटर में तत्काल टिकट के लिए काफी लोग पहुंचे। लोग किसी भी तरह तत्काल टिकट हाथ लग जाने की उम्मीद में कतारों में खड़े रहे, लेकिन चंद मिनटों में सिस्टम ने जवाब दे दिया। अधिकांश के हाथ सिर्फ निराशा लगी। बृहस्पतिवार को बिहार जाने वाली हर एक ट्रेन में भारी भीड़ का अनुमान है। इससे हालात और भी विकट हो गए हैं।

प्रयागराज जंक्शन पर बच्चों का सामान संभाले रमेश ने बताया, छठ पर घर पहुंचना हमारे परिवार के लिए साल का सबसे बड़ा मौका होता है। दो महीने पहले जब टिकट बुक कराने की सोची, तो तबीयत खराब होने की वजह से देरी हो गई और तब तक वेटिंग 150 पार पहुंच चुकी थी। आज सुबह सात बजे से रामबाग स्टेशन पर तत्काल के लिए लाइन में लगा था लेकिन काउंटर पर पहुंचते ही बुकिंग क्लर्क ने बोल दिया कि सीट भर गई है। कुछ ऐसी ही बेबसी नैनी के रहने वाले संतोष गुप्ता की भी रही। कहा कि छठ पर दरभंगा जाना है। स्पेशल ट्रेनों के नाम पर जो गाड़ियां चलाई गईं वह पहले से ही फुल हैं। सुबह प्रयागराज जंक्शन पर धक्का–मुक्की के बीच तत्काल टिकट पाने की कोशिश की मगर नतीजा सिफर रहा। अब प्राइवेट बसों और अन्य वैकल्पिक साधनों की तलाश करनी पड़ रही है।

छठ पर काफी स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है। ट्रेनों में प्रतीक्षा सूची की समीक्षा की जा रही है। जरूरत पड़ी तो स्पेशल ट्रेन की संख्या बढ़ाई जा सकती है। –अमित कुमार सिंह, पीआरओ, प्रयागराज मंडल

प्रयागराज के स्टेशनों से गुजरेंगी कई और स्पेशल ट्रेन, किया गया विस्तार

प्रयागराज। दिवाली और छठ पर घर लौटने वाले यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने विशेष ट्रेनों का संचालन और कुछ गाड़ियों के फेरों का विस्तार किया है। नई दिल्ली, पटना, गया, दरभंगा और बरौनी समेत कई शहरों के लिए चलने वाली इन ट्रेनों का प्रयागराज जंक्शन, सूबेदारगंज और प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर ठहराव होगा। 12 और 13 नवंबर को इन ट्रेनों के संचालन से यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है। दिवाली और छठ पर्व पर यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने कई विशेष ट्रेनों का संचालन करने के साथ कुछ गाड़ियों के फेरों का विस्तार किया है। प्रयागराज जंक्शन, सूबेदारगंज और प्रयागराज छिवकी स्टेशन से होकर गुजरने वाली इन ट्रेनों से यात्रियों को राहत मिलेगी। इनमें से कई ट्रेनों का ठहराव 12 और 13 नवंबर को निर्धारित किया गया है। नई दिल्ली से पटना के लिए संचालित त्योहार विशेष एक्सप्रेस (04060/04059) नई दिल्ली से चलकर 12 नवंबर को प्रयागराज जंक्शन पर रुकेगी। इसके अलावा जयपुर से गया के बीच चलने वाली अनारक्षित विशेष ट्रेन (09727/09728) जयपुर से रवाना होकर गोविंदपुरी के रास्ते 13 नवंबर को प्रयागराज के सूबेदारगंज स्टेशन पर रुकेगी। इसके बाद यह पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन के रास्ते गया पहुंचेगी।

उधना और जयनगर के बीच चलने वाली अनारक्षित विशेष ट्रेनें (09029/09030, 09059/09060 और 09022) मानिकपुर के रास्ते अलग–अलग तिथियों में प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर रुकेंगी। वहीं, लोकमान्य तिलक टर्मिनस से दानापुर जाने वाली एकतरफा विशेष ट्रेन (01029) 13 नवंबर को प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर ठहरेगी। इसी प्रकार आसनसोल से उधना जाने वाली विशेष ट्रेन (03517) और गया से चेन्नई सेंट्रल जाने वाली सुपरफास्ट पूजा विशेष ट्रेन (03689) भी 12 नवंबर को प्रयागराज छिवकी स्टेशन से होकर गुजरेंगी। नई दिल्ली और पटना के बीच संचालित आरक्षित त्योहार विशेष ट्रेनें (04068/04067) और नई दिल्ली–दरभंगा विशेष ट्रेनें (04080/04079) का 12 और 13 नवंबर को प्रयागराज जंक्शन पर ठहराव रहेगा। इसके अतिरिक्त ग्वालियर से बरौनी के बीच छठ पर्व पर चलाई जा रही विशेष ट्रेनें (04111/04112 और 040101/04102) भी 12 एवं 13 नवंबर को प्रयागराज जंक्शन पर रुकेंगी।

हाईकोर्ट ने सुपर टाइम पे स्केल देने की अधिसूचना जारी की, 147 अफसरों को मिलेगा लाभ

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश उच्चतर न्यायिक सेवा के 147 अधिकारियों को सुपर टाइम पे स्केल प्रदान करने की अधिसूचना जारी की है। हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल की ओर से जारी अधिसूचना में अधिकारियों को 1,99,100 से 2,24,100 रुपये का सुपर टाइम पे स्केल देने की स्वीकृति दी गई है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश उच्चतर न्यायिक सेवा के 147 अधिकारियों को सुपर टाइम पे स्केल प्रदान करने की अधिसूचना जारी की है। हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल की ओर से जारी अधिसूचना में अधिकारियों को 1,99,100 से 2,24,100 रुपये का सुपर टाइम पे स्केल देने की स्वीकृति दी गई है।

यह आदेश उत्तर प्रदेश उच्चतर न्यायिक सेवा नियमावली, 1975 के नियम 27–ए के तहत जारी किया गया है। इसमें द्वितीय राष्ट्रीय न्यायिक वेतन आयोग की सिफारिशों के आधार पर निर्धारित वेतनमान का लाभ देने का निर्णय लिया गया है।

यह वेतनमान एक जनवरी 2016 से संशोधित प्रभावी माना गया है। अधिसूचना रजिस्ट्रार जनरल मंजीत सिंह श्योराण की ओर से जारी किया गया है। इसकी प्रतिलिपि प्रदेश सरकार के नियुक्ति एवं न्याय विभाग, सभी जिला एवं सत्र न्यायाधीशों तथा संबंधित न्यायिक अधिकारियों को भेजी गई है।

एक साथ उठीं चार अर्थियां, पिता ने बेटे-बहू को दी मुखाग्नि

प्रयागराज। प्रयागराज के नीमसराय स्थित एडीए कॉलोनी में गुरुवार सुबह सौरभ, उनकी पत्नी मेनका और दोनों बेटों के शव पहुंचे तो परिवार में कोहराम मच गया। सुबह करीब 10 बजे चारों के शव अंतिम संस्कार के लिए रसूलाबाद घाट ले जाए गए। पिता जय गोविंद उपाध्याय ने बेटे और बहू को मुखाग्नि दी, जबकि दोनों मासूम बेटों के शव गंगा किनारे दफनाए गए।

हरदोई में बुधवार दोपहर हुए सड़क हादसे में जान कमाने वाले सॉफ्टवेयर इंजीनियर सौरभ उपाध्याय (39), उनकी पत्नी मेनका उपाध्याय (36) और दोनों बेटों व्योम (7) और शिवओम (4) का शव पोस्टमार्टम के बाद बृहस्पतिवार सुबह करीब साढ़े छह बजे प्रयागराज के नीमसराय स्थित एडीए कॉलोनी में उनके घर पहुंचा। घर पर शव पहुंचते ही परिजन चीत्कार करने लगे।

परिचित, रिश्तेदार और आसपास रहने वाले लोग ढांढस बंधाते रहे। चारों शवों को अंतिम संस्कार के लिए बृहस्पतिवार सुबह करीब दस बजे रसूलाबाद घाट पहुंचाया गया। सौरभ के पिता जय गोविंद उपाध्याय ने बेटे और बहू के शव को मुखाग्नि दी। रसूलाबाद घाट के नजदीक गंगा नदी में दोनों बेटों व्योम और शिवओम का शव दफनाया गया। सौरभ के पिता कचहरी में विशेष अभियोजन अधिकारी के पद पर कार्य कर चुके हैं और वर्तमान में इलाहाबाद हाईकोर्ट के अधिवक्ता हैं। उनके कई अधिवक्ता साथी भी



उजड़ गया पूरा परिवार, पिता ने बेटे बहू को दी मुखाग्नि दोनों मासूम गंगा किनारे दफन

रसूलाबाद घाट पहुंचे थे।

सौरभ के छोटे बहनोई प्रीतम नगर निवासी और बैंककर्मी शिशिर उपाध्याय ने बताया कि सौरभ के माता–पिता को सुबह करीब चार बजे हादसे में चारों के मौत की जानकारी दी गई। इससे पहले यह दुख सहन नहीं कर पाने और तबीयत बिगड़ जाने के डर से उन्हें हादसा में घायल होने की जानकारी दी गई थी।

मेनका की मां को हरदोई के किसी स्थानीय व्यक्ति ने दी थी हादसे की जानकारी

मेनका उपाध्याय के छोटे भाई दीपक तिवारी भी रसूलाबाद घाट पर मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि मां मंजू तिवारी अक्सर दीदी को कॉल करती रहते थीं। दोपहर करीब डेढ़ बजे भी जब उन्होंने कॉल किया तो किसी स्थानीय व्यक्ति ने फोन उठाकर हादसे में मौत होने की जानकारी दी। इसके बाद मेनका के पिता पुरेंद्र नाथ तिवारी सहित परिवार के सभी लोगों को इस हादसे की जानकारी हुई। मेनका के पिता पुरेंद्र नाथ तिवारी सेना से साल 2022 में सेवानिवृत्ति हुए थे। मेनका के इकलौते भाई दीपक लखनऊ के गोमती नगर स्थित एक निजी बैंक में कार्यरत हैं।

भगवान ऐसा दुख किसी दुश्मन को भी न दे: जय गोविंद उपाध्याय

रसूलाबाद घाट पर सौरभ के पिता जय गोविंद उपाध्याय को कई परिचित ढांढस बंधाने पहुंचे थे। इस दौरान उनकी आंखों से लगातार आंसू छलकते रहे। उन्होंने कहा कि सब खत्म हो गया। इकलौता बेटा था, वह भी चला गया। भगवान ऐसा दुख किसी दुश्मन को भी न दे। साथ ही वो बेटे के साथ पिछले दिनों हुई बातों को याद करते रहे।

घर में इंतजार करती रह गईं खुशियां, रास्ते में उजड़ गया परिवार

भैयादूज की तैयारी कर लेना, शाम तक घर पहुंच जाऊंगा...' बुधवार सुबह सौरभ ने छोटी बहन मधुलिका को घर पहुंचने की खबर दी थी, लेकिन क्या पता था कि भाई से यह उसकी आखिरी बात होगी। शाम को जिस भाई के माथे पर तिलक लगाने की तैयारी थी, उसके साथ भाभी मेनका और दोनों भतीजों व्योम व शिवओम की मौत की खबर मिल जाएगी।

यह बताते हुए मधुलिका के आंसू छलक पड़े। भैयादूज और छठ मनाने नोएडा से प्रयागराज आ रहे नीम सराय, मुंडेरा निवासी कार सवार सॉफ्टवेयर इंजीनियर, उनकी पत्नी व दोनों बेटों की हरदोई में सड़क हादसे में मौत के बाद परिजनों के साथ इलाके के लोग भी गमगीन हैं।

सौरभ के पिता जय गोविंद एमपी–एमएलए कोर्ट में विशेष लोक अभियोजक (एसपीओ) रह चुके हैं। करीब छह साल पहले सेवानिवृत्त हुए थे। वह लगभग 35 साल से नीमसराय में रहे हैं। मां कुमुद गृहिणी हैं। सौरभ परिवार के इकलौते बेटे थे। उनकी दो बहनें मधुलिका और भावना हैं।

छठ पर दो पीढ़ियों की सलामती के लिए उठने थे हाथ, हादसे ने उजाड़ा परिवार

छठ पर्व की तैयारी चल रही थी। कुमुद इकलौते बेटे सौरभ की खुशहाली के लिए व्रत रखने वाली थीं तो बहू मेनका अपने बेटे की लंबी उम्र की कामना के लिए छठ कर रही थीं। दोनों की अपनी–अपनी दुनिया और दोनों की प्रार्थनाओं में अपने बच्चे थे। लेकिन किसे पता था कि छठ से पहले ही एक हादसा दोनों की दुनिया उजाड़ देगा। अब न कुमुद का बेटा सौरभ लौटेगा और न मेनका और ना ही उनका बेटा लौटकर आएगा।

कुमुद के लिए सौरभ इकलौता बेटा था। उसकी सलामती और तरक्की ही उनकी सबसे बड़ी कामना थी। उधर, मेनका भी अपने बेटे के लिए छठ का व्रत रख रही थीं। मां की ममता और संतान की लंबी उम्र की कामना से जुड़ा यह पर्व इस बार परिवार के लिए कभी न भूलने वाला दर्द दे गया। हादसे में सौरभ, मेनका और उनके दोनों बच्चों की मौत हो गई। जिस छठ पर्व पर घर में पूजा की तैयारी होनी थी, वहां अब मातम है। जिन हाथों से मांएं अपने बच्चों के लिए अर्घ्य देने वाली थीं, वे अब अपनों के इंतजार में खाली रह गए। परिवार के लोगों की आंखों में एक ही सवाल है कि अब किसके लिए छठ होगा और किसकी सलामती की कामना की जाएगी। एक मां अपने इकलौते बेटे के लिए व्रत रखने वाली थी, दूसरी अपने बेटे की लंबी उम्र के लिए। हादसे ने दोनों की मन्नतों को अधूरा छोड़ दिया।

मुर्गियों की रखवाली लोमड़ी को सौंपने जैसी है अफसरों की कार्यशैली

हाईकोर्ट ने गैंगस्टर मुकदमा किया रद्द

प्रयागराज। गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई में अधिकारियों की लापरवाही पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बेहद सख्त टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि नागरिकों की स्वतंत्रता की रक्षा का दायित्व संभालने वाले अधिकारियों की कार्यशैली मुर्गियों की रखवाली लोमड़ी को सौंपने जैसी है। अदालत ने गैंग चार्ट में शामिल मूल मुकदमों में आरोपियों को मिली राहत और गिरोह बनाकर अपराध करने के प्रथमदृष्टया साक्ष्य नहीं मिलने पर गैंगस्टर एक्ट की पूरी कार्यवाही निरस्त कर दी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गैंगस्टर एक्ट के तहत गैंग चार्ट तैयार करने और उसे मंजूरी देने में अधिकारियों की लापरवाही पर बेहद तल्ख टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि नागरिकों के जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा का दायित्व जिन अधिकारियों को सौंपा गया है वे इतनी लापरवाही बरत रहे हैं कि यह स्थिति मुर्गियों की रखवाली की जिम्मेदारी लोमड़ी को सौंपने जैसी है।

अदालत ने कहा कि अधिकारियों की ऐसी कार्यप्रणाली नागरिकों की स्वतंत्रता के लिए गंभीर खतरा है। न्यायमूर्ति संदीप जैन ने दिनेश उर्फ टीटो और अन्य की ओर से दाखिल याचिका स्वीकार करते हुए मथुरा के गोवर्धन थाने में दर्ज गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे की पूरी कार्यवाही निरस्त कर दी।



नागरिकों की आजादी से खिलवाड़ कर रहे अधिकारी हाईकोर्ट की तल्ख टिप्पणी

मामले में याचियों ने गैंगस्टर कार्यवाही रद्द करने की मांग करते हुए याचिका दायर की थी। याचियों का कहना था कि उनके खिलाफ गैंग चार्ट में चार मूल आपराधिक मुकदमों का उल्लेख किया गया था। इनमें से तीन मुकदमों में वे बरी हो चुके हैं। चौथे मुकदमे में भी अपील के बाद डकैती और धमकी के आरोपों से बरी कर दिया गया है। केवल मारपीट मामले में सजा बरकरार है जिसके खिलाफ हाईकोर्ट में आपराधिक पुनरीक्षण लंबित है।

उनके खिलाफ ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है जिससे साबित हो कि वे गिरोह बनाकर समाज में आतंक फैलाते थे अथवा अनुचित आर्थिक लाभ हासिल करते थे। ऐसे में गैंगस्टर एक्ट की कार्यवाही रद्द की जाए। राज्य सरकार याचिका का विरोध किया। पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने कहा कि गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई के लिए केवल आपराधिक इतिहास पर्याप्त नहीं है। यह भी जरूरी है कि आरोपी किसी गिरोह का सदस्य हो और उसकी गतिविधियों का उद्देश्य लोक व्यवस्था को प्रभावित करना अथवा अनुचित आर्थिक, भौतिक या अन्य लाभ हासिल करना हो।

गैंग चार्ट को मंजूरी देने वाले अधिकारियों को स्वतंत्र रूप से विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि रिकॉर्ड पर ऐसा प्रथमदृष्टया कोई साक्ष्य नहीं था जिससे गिरोह बनाकर लोक व्यवस्था भंग करने या आर्थिक लाभ हासिल करने का उद्देश्य साबित हो सके।

हाईकोर्ट का अहम फैसला: मवेशी को काटने के शक में वाहन जब्त करना गैरकानूनी

मुआवजा दे यूपी सरकार

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि केवल संदेह के आधार पर किसी व्यावसायिक वाहन को जब्त नहीं किया जा सकता। मवेशियों को काटने के लिए पश्चिम बंगाल ले जाने का ठोस सबूत नहीं मिलने पर कोर्ट ने मिर्जापुर पुलिस की कार्रवाई को गैरकानूनी करार दिया। साथ ही उत्तर प्रदेश सरकार को वाहन मालिक को 15 लाख रुपये से अधिक मुआवजा देने का निर्देश दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मवेशियों को काटने के लिए ले जाने के संदेह में व्यावसायिक वाहन जब्त करने की कार्रवाई को गैरकानूनी करार देते हुए उत्तर प्रदेश सरकार को वाहन मालिक को 15 लाख रुपये से अधिक मुआवजा देने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि अधिकारियों के पास ऐसा कोई ठोस साक्ष्य नहीं था जिससे साबित हो सके कि वाहन में लदे दो बैलों को काटने के



लिए पश्चिम बंगाल ले जाया जा रहा था। यह आदेश न्यायमूर्ति संदीप जैन ने तेज प्रकाश की याचिका स्वीकार करते हुए दिया है। मिर्जापुर पुलिस ने 18 सितंबर 2023 को याची का वाहन (डीसीएम आयशर) दो बैलों के साथ पकड़कर जब्त कर लिया था। अधिकारियों का आरोप था कि बैलों को काटने के लिए पश्चिम बंगाल ले जाया जा रहा है और इससे उप्र गोवध निवारण अधिनियम का उल्लंघन हुआ है। याची ने जब्ती आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी। याची का कहना था कि न तो पशुओं को काटने के लिए ले जाने का कोई प्रमाण था और न ही उनके साथ क्रूरता किए जाने की पुष्टि हुई थी। कोर्ट ने कहा कि मिर्जापुर की बिहार से भौगोलिक निकटता के आधार पर यह मान लेना कि बैलों को पश्चिम बंगाल ले जाया जा रहा था महज अनुमान है। दोनों बैलों का पशु चिकित्सक से परीक्षण भी नहीं कराया गया था। वाहन से गोमांस या गोवंश के अवशेष भी बरामद नहीं हुए थे। कोर्ट ने जब्ती आदेश निरस्त कर वाहन छोड़ने का निर्देश दिया। कोर्ट ने वाहन के व्यावसायिक उपयोग और उससे होने वाली आय को ध्यान में रखते हुए 18 सितंबर 2023 से वाहन की वास्तविक रिहाई तक 40 हजार रुपये प्रतिमाह की दर से मुआवजा देने का आदेश दिया। इसके अलावा मानसिक परेशानी और आर्थिक कठिनाई के लिए 25 हजार रुपये अतिरिक्त देने को कहा। कोर्ट ने सरकार को विभागीय जांच के बाद दोषी अधिकारियों से मुआवजे की राशि वसूलने की छूट भी दी है।

शिक्षक भर्ती: एक पद पर 56 दावेदार, बेसिक शिक्षा के 12,405 पदों के लिए आए सात लाख से ज्यादा आवेदन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों में सहायक अध्यापक बनने की होड़ तेज हो गई है। 12,405 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन के अंतिम दिन तक करीब सात लाख अभ्यर्थियों ने दावेदारी पेश की है। इस तरह एक पद के लिए औसतन 56 अभ्यर्थियों के बीच मुकाबला होगा। आवेदन की अंतिम तिथि आयोग को तीन बार बढ़ानी पड़ी थी। बेसिक व माध्यमिक शिक्षा विभाग के प्राइमरी विद्यालयों में सहायक अध्यापक के 12,405 हजार पदों पर भर्ती के लिए आवेदन के अंतिम दिन बुधवार तक तकरीबन सात लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किए हैं। इससे सहायक अध्यापक के एक पद पर 56 दावेदार हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज की ओर से इसके लिए आवेदन की अंतिम तिथि तीन बार बढ़ाई गई थी।

बेसिक शिक्षा विभाग की पिछली भर्तियों के आंकड़ों को देखें तो इसके पहले वर्ष 2017 में 68,500 और 2018 में 69,000 भर्ती आई थी। 68,500 शिक्षक भर्ती में 1,25,746 आवेदन आए थे, जिसमें 1,07,873 अभ्यर्थियों ने परीक्षा में हिस्सा लिया था। 69,000 शिक्षक भर्ती के लिए 4,46,823 आवेदन किए गए थे। परीक्षा में 4,10,823 अभ्यर्थी शामिल हुए थे। अभी बड़ी संख्या में डीएलएड व टीईटी पास अभ्यर्थी सहायक अध्यापक बनने के लिए तैयारी कर रहे हैं।

बेसिक शिक्षा विभाग में वर्ष 2018 के बाद अब वर्ष 2026 में भर्ती प्रक्रिया शुरू हुई है। आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों की संख्या बढ़ने के पीछे सबसे बड़ा कारण यह भी है आठ वर्ष बाद सहायक अध्यापक पद के लिए भर्ती निकाली गई। अभी बेसिक शिक्षा विभाग के शहरी परिषदीय विद्यालयों के लिए 11,508 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया चल रही है। वहीं, सहायक अध्यापक संबद्ध प्राइमरी (अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालय) के लिए 897 रिक्त पदों पर भर्ती होनी है।

आवेदन की अंतिम तिथि 11 नवंबर थी। सात लाख से ज्यादा आवेदन आ गए हैं। बड़ी संख्या में आवेदन आने से प्रतिस्पर्धा भी बढ़ेगी। इस परीक्षा के लिए आयोग की ओर से तीन व चार दिसंबर को परीक्षा प्रस्तावित है। –संजय कुमार सिंह, उप सचिव, उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज

गोवंश तस्करी मामले में फरार 50 हजार का इनामी कानपुर से गिरफ्तार, कई जिलों में दर्ज है एफआईआर

प्रयागराज। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने गोवंश तस्करी के गैंग सरगना रेहान को गिरफ्तार किया है। उसे मंगलवार शाम कानपुर के ट्रांसपोर्ट नगर मेट्रो स्टेशन के पास से पकड़ा गया। रेहान पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था और वह लंबे समय से फरार चल रहा था। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने गोवंश तस्करी के गैंग सरगना रेहान को गिरफ्तार किया है। उसे मंगलवार शाम कानपुर के ट्रांसपोर्ट नगर मेट्रो स्टेशन के पास से पकड़ा गया। रेहान पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था और वह लंबे समय से फरार चल रहा था। वह मूलरूप से कौशाम्बी के कोखराज थाना क्षेत्र के



चमरूपुर का निवासी है। एसटीएफ के अनुसार, 7 मार्च 2024 को कोखराज पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक कंटेनर पकड़ा था। उसमें 26 गोवंश लदे मिले थे। इस मामले में गोवध निवारण अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। रेहान इस प्रकरण में भी वांछित था।

एसटीएफ की पूछताछ में रेहान ने बताया कि उसके और गैंग के सदस्यों पर कौशाम्बी, बांदा, वाराणसी और इटावा में कुल 13 प्राथमिकी दर्ज हैं। उस पर लूट, एनडीपीएस एक्ट, आर्म्स एक्ट, गोवध निवारण अधिनियम और गैंगस्टर एक्ट के तहत भी मुकदमे हैं। कोखराज थाने में 12 मार्च 2026 को गैंगस्टर एक्ट का मुकदमा दर्ज होने के बाद उसकी गिरफ्तारी पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। एसटीएफ प्रभारी जेपी राय ने बताया कि वह गिरफ्तारी से बचने के लिए कानपुर में छिपकर रह रहा था। उसे आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए कौशांबी पुलिस को सौंप दिया गया है।

बीजेपी ने बनाये 403 विधानसभा सीटों पर प्रभारी

गोरखपुर सदर से विवेकानंद, गाजियाबाद से मीनाक्षी को जिम्मेदारी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी ने 403 सीटों पर प्रभारी नियुक्त कर दिए हैं. प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने विधानसभा प्रभारियों के नामों का ऐलान किया। ये अपने–अपने विधानसभा क्षेत्र में कार्यकर्ताओं से समन्वय कर पार्टी की नीतियों और सरकार की उपलब्धियों को जन–जन तक पहुंचाएंगे। गोरखपुर सदर सीट से विवेकानंद वर्मा, अमरोहा सीट से सुरेश सैनी, गाजियाबाद सीट से मीनाक्षी, मोदीनगर सीट से गोविंद चौधरी को प्रभारी बनाया गया है। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने एक्सश पर पोस्ट कर बीजेपी, गोरखपुर क्षेत्र के नवनियुक्त विधानसभा प्रभारियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।बीजेपी ने संगठनात्मक प्रांतों के हिसाब से विधानसभा सीटों पर प्रभारी नियुक्त किए हैं। इनमें अवध क्षेत्र में 82, काशी क्षेत्र में 71, कानपुर–बुंदेलखंड में 52, पश्चिमी यूपी में 71, गोरखपुर क्षेत्र में 62 और ब्रज क्षेत्र में 65 प्रभारी नियुक्त किए गए हैं।सुरेश सैनी अमरोहा विधानसभा क्षेत्र प्रभारी बने है। मुरादाबाद की बिलारी सीट से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं।सुरेश सैनी 2012 में मुरादाबाद देहात और 2016 के उपचुनाव और 2017 के विधानसभा चुनाव में बिलारी सीट से चुनाव लड़ चुके हैं। वे तीनों चुनाव सपा प्रत्याशी से हार गए थे।मीनाक्षी भराला को गाजियाबाद विधानसभा क्षेत्र की प्रभारी बनाई गई हैं। आजमगढ़ की 344 गोपालपुर के लिए ऋषिकान्त राय, 345 सगड़ी के लिए सबल सिंह पालीवाल, 346 मुबारकपुर के लिए रमाकान्त मिश्रा, 347 आजमगढ़ सदर के लिए हनुमन्त प्रसाद सिंह और 352 मेंहनगर (सु.) के लिए आदित्य राय प्रभारी बनाए गए हैं। कुशीनगर में 329 खड्डा के लिए धरनीधर राम त्रिपाठी, 330 पडरौना के लिए मारकण्डेय शाही, 331 तमकुहीराज के लिए अजय उपाध्याय, 332 फाजिलनगर के लिए संजय राव, 333 कुशीनगर के लिए कुंज बिहारी सिंह, 334 हाटा के लिए मारकण्डेय तिवारी और 335 रामकोला सु. के लिए बलराम उपाध्याय को प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है।गोरखपुर की 320 कैम्पियरगंज के लिए राजेन्द्र निषाद, 321 पिपराईच के लिए प्रमोद शाही, 324 सहजनवां के लिए जगदम्बा श्रीवास्तव, 325 खजनी सु.के लिए आनंद कुमार त्रिपाठी, 326 चौरीचौरा के लिए संतोष दत्त राय, 327 बांसगांव सु. के लिए रमेश सिंह और 328 चिल्लूपार के लिए संतोष राय प्रभारी बनाए गए हैं।गोरखपुर महानगर में 322 गोरखपुर सदर के लिए विवेकानन्द वर्मा और 323 गोरखपुर ग्रामीण के लिए उमाशंकर साहनी को जिम्मेदारी दी गई है। देवरिया में 336 रुद्रपुर के लिए गुलाब ध्वज मन्थ्य सिंह, 337 देवरिया के लिए संजय सिंह, 338 पथरदेवा के लिए हेमन्त पाठक, 339 रामपुर कारखाना के लिए राधेश्याम सिंह, 340 भाटपार रानी के लिए विनोद गुप्ता, 341 सलेमपुर सु. के लिए दिवाकर मणि त्रिपाठी और 342 बरहज के लिए नित्यानन्द मिश्र को प्रभारी नियुक्त किया गया है. बलिया में 357 बेल्थरारोड सु. के लिए संजय सिंह विशेन, 358 रसड़ा के लिए राकेश मिश्रा, 359 सिकन्दरपुर के लिए अखिलेश त्रिपाठी, 360 फेफना के लिए अखिलेश तिवारी, 361 बलिया सदर के लिए प्रशांत गुप्ता, 362 बांसडीह के लिए अखिलेश राजभर और 363 बैरिया के लिए संतोष सिंह को प्रभारी बनाया गया है।बस्ती में 307 हर्रैया के लिए लालजी त्रिपाठी, 308 कप्तानगंज के लिए सेतराम राय, 309 रूधौली के लिए दिलीप चतुर्वेदी, 310 बस्ती के लिए राकेश मिश्रा और 311 महादेवा सु के लिए रामललित चौधरी को जिम्मेदारी मिली है।मऊ में 353 मधुबन के लिए संतोष जायसवाल, 354 घोसी के लिए दिवाकर सिंह, 355 मुहम्मदाबाद गोहना सु. के लिए नकुल चौबे और 356 मऊ सदर के लिए उपेन्द्र पाण्डेय प्रभारी बनाए गए हैं।महराजगंज में 315 फरेंदा के लिए डॉ. आरडी. सिंह, 316 नौतनवां के लिए जय प्रकाश उपाध्याय, 317 सिसवां के लिए राधेश्याम पाण्डेय, 318 महराजगंज सु. के लिए निरंकार त्रिपाठी और 319 पनियरा के लिए यश बहादुर सिंह को प्रभारी नियुक्त किया गया है। लालगंज में 343 अतरौलिया के लिए राकेश मिश्रा, 348 निजामाबाद के लिए सच्चिदानन्द सिंह, 349 फूलपुर पवई के लिए शैलेश राजभर, 350 दीदारगंज के लिए अरविन्द सिंह और 351 लालगंज सु. के लिए डॉ० महेश्वरी कान्त पाण्डेय को जिम्मेदारी दी गई। संतकबीरनगर में 312 मेहदावल के लिए रामचरण चौधरी, 313 खलीलाबाद के लिए केशमान राय और 314 धनघटा सु. के लिए मानस भूषण राम त्रिपाठी प्रभारी बनाए गए हैं. सिद्धार्थनगर में 302 शोहरतगढ़ के लिए मनोज राम त्रिपाठी, 303 कपिलवस्तु सु. के लिए आनन्द सिंह कलहंस, 304 बांसी के लिए दिवाकर मिश्र, 305 इटवा के लिए अश्विनी उपाध्याय और 306 डुमरियागंज के लिए रवि सिंह को प्रभारी नियुक्त किया गया है।

न शिव के, न राम–कृष्ण के सगे हैं

योगी के भैंस चराने वाले बयान पर भड़के अखिलेश

लखनऊ, संवाददाता। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के सैफई में कहीं भैंस चरा रहे होते वाले बयान पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तीखा पलटवार किया है। अखिलेश ने मुख्यमंत्री योगी पर गोपालकों का अपमान करने के साथ ही भगवान श्रीकृष्ण के प्रति अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का बयान अक्षम्य है। अखिलेश ने दावा किया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में हार की आशंका से मुख्यमंत्री की हताशा बढ़ती जा रही है और इसी वजह से उनकी भाषा का स्तर गिर रहा है।सपा प्रमुख ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लंबी पोस्ट लिखकर योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा। गोपालकों को अपशब्द कहकर सीएम ने प्रकारांतर से गोपाल यानी भगवान श्रीकृष्ण का अपमान किया है। अखिलेश ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सनातन धर्म से अलग अपनी सत्ता स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने वाराणसी में पाल समाज पर लाठीचार्ज और राजमाता अहिल्याबाई होल्कर से जुड़ी प्रतिमा के कथित अपमान का मुद्दा उठाया।सपा अध्यक्ष ने लिखा पाल समाज को लाठी से पिटवाया था और गडरियों के होल्कर समाज से आनेवाली शिवजी की परम भक्त राजमाता देवी अहिल्याबाई जी की शिवलिंग ली हुई प्रतिमा का वाराणसी में घोर तिरस्कार किया था। ये न भगवान शिव के सगे हैं, न भगवान राम के, न भगवान कृष्ण के और न ही देवी अहिल्याबाई के। अखिलेश ने मुख्यमंत्री को सलाह दी कि सनातनी वस्त्र पहनकर निम्नस्तरीय भाषा का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। मुख्यमंत्री संवैधानिक पद पर बैठे हैं और उन्हें सार्वजनिक मर्यादा के साथ अपने पद की प्रतिष्ठा का भी ध्यान रखना चाहिए। अखिलेश ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री का व्यवहार पत्रकारों, अधिकारियों और अन्य लोगों के प्रति भी अपमानजनक रहा है।अखिलेश यादव ने 2024 और 2026 की हार का जिक्र करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री 2027 में होने वाली हार से डर गए हैं। उन्होंने दावा किया कि जितनी अधिक हताशा बढ़ेगी, भाषा उतनी ही नीचे गिरती जाएगी। अखिलेश ने कहा कि अगर भाजपा को अपनी जीत का भरोसा होता तो मुख्यमंत्री विपक्ष पर हमला करने के बजाय अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाते। उन्होंने 2027 के विधानसभा चुनाव को पांच प्रतिशत अहंकारियों और वर्चस्ववादियों बनाम 95 प्रतिशत पीडीए के बीच की लड़ाई बताया।

ओपी राजभर का अखिलेश यादव पर तंज, बोले– अफवाह फैलाकर यादव को कर रहे बर्बाद



लखनऊ, संवाददाता। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए निशाना साधा है। उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में लिखा, अखिलेश यादव, आप तो अभी तक सो ही रहे होंगे, लेकिन आपका पीडीए यानी पीट देगा अहीर आपके सीएम बनने की अफवाह भर से सो ही नहीं रहा है। ओपी राजभर ने इटावा की घटना का जिक्र करते हुए लिखा कि इटावा का गुंडा बिट्टू यादव अखिलेश यादव की दो–चार प्रेस कॉन्फ्रेंस देखकर इतना मनबढ़ हो गया कि उसको लगने लगा है कि अब तो उसकी गुंडई का राज वापस आने ही वाला है। उन्होंने आरोप लगाया कि इसी हनक और सनक में उसने दलित चंद्रमोहन दिवाकर की संपत्ति पर कब्जा करने की कोशिश की। जनता ने रोकने की कोशिश की तो पहले जमकर गालियां दीं और फिर दलित चंद्रमोहन दिवाकर को बुरी तरह से पीटा। ओपी राजभर ने बाराबंकी की घटना का भी जिक्र किया। उन्होंने लिखा कि बाराबंकी में तो आपका गुंडा प्रमोद यादव और भी आगे निकल गया। उसने दलित दिलीप पासी को पीट–पीटकर जान से मार डाला। ओम प्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव से सवाल करते हुए लिखा, क्या एक तरफ आपके चाचा बोलते हैं कि कोई गुंडई करे तो उसे पार्टी से बाहर निकाल दो और वहीं दूसरी तरफ आपके गुंडे अपनी मनमानी कर रहे हैं, जब मन तब दलितों से मारपीट और गाली–गलौज कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सही कहते हैं, आप लोगों ने हर चौराहे पर गुंडों को पाल रखा है। राजभर ने पोस्ट में लिखा, मित्र अखिलेश जी, नींद और भ्रम की दुनिया से बाहर आइए और अपने गुंडों को कंट्रोल कीजिए। बताइए कि यादव–यादव बोलकर ज्यादा सीना न ठोंकें, नहीं तो यूपी पुलिस ऐसे लोगों की ऐंठन दूर करने में बहुत काबिल है। फिर आप कहेंगे कि यादव के साथ गलत हो रहा है। उन्होंने एक्स पोस्ट के अंत में लिखा, आपका काम यादव को फंसाना नहीं है, लेकिन अफवाह फैलाकर उन्हें बर्बाद कर रहे हैं। खैर, आप जानें। जय भारत, जय श्री राम, जय श्री कृष्ण, जय परशुराम, जय महाराजा सुहेलदेव।

दीदी मिठाई छीन लेती है, हमें मारती है

डीएम की पत्नी के सामने बाल सुधार गृह के बच्चों ने बयां किया दर्द

केयरटेकर अंकिता के खिलाफ मुकदमा दर्ज

लखनऊ, संवाददाता। बागपत में दीपावली के मौके पर एक बाल संरक्षण गृह बालगृह की खौफनाक हकीकत उस वक्त सामने आई, जब खुद जिलाधिकारी दिव्यांशु पटेल की पत्नी स्वाति सहगल वहां पहुंचीं। बच्चों को मिठाई बांटने गईं स्वाति के सामने बच्चों ने मारपीट, धमकी और उत्पीड़न का जो दर्द बयां किया, उसने पूरे प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मचा दिया। डीएम के सख्त निर्देश के बाद बालगृह की केयरटेकर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। दीदी हमें मिठाई नहीं खाने देतीं दीपावली के दिन स्वाति सहगल अपनी बेटी और सास के साथ सरूरपुर कलां गांव स्थित शक्षितिज बाल एवं शिशु गृह पहुंची थीं। उन्होंने बच्चों को गोद में दुलारा और उन्हें मिठाई व उपहार बांटे। वह बच्चों से बात कर रही थीं, तब एक मासूम का दर्द छलक उठा। बच्चे ने बड़ी मासूमियत से कहा, दीदी हमें मिठाई नहीं खाने देतीं, ये खुद खा लेती हैं। यह सुनकर स्वाति सहगल हैरान रह गईं। इसके बाद उन्होंने अलग–अलग बच्चों से एकांत में बात की। बच्चों ने बताया कि उनके साथ मारपीट की जाती है और सामान मांगने पर उन्हें धमकाया जाता है। एक बच्चे ने यहां तक कहा कि आपके जाने के बाद ये सारे गिफ्ट और मिठाइयां छीनकर अपने घर ले जाएंगी। बालगृह से लौटने के बाद स्वाति सहगल ने पूरी घटना डीएम दिव्यांशु पटेल को बताई। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएम ने तुरंत जिला प्रोबेशन अधिकारी राहुल वर्मा को जांच के सख्त निर्देश दिए। 10 नवंबर को प्रोबेशन अधिकारी ने बालगृह का औचक निरीक्षण किया और बच्चों के बयान दर्ज किए। जांच में बच्चों की शिकायतों की पुष्टि होने के बाद, चाइल्ड हेल्पलाइन की प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर वंदना गुप्ता की तहरीर पर बागपत कोतवाली पुलिस ने केयरटेकर अंकिता के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार दिल्ली–सहारनपुर हाईवे किनारे स्थित धर्मशाला में श्घरौंदा वेलफेयर सोसायटीश द्वारा संचालित बालगृह में छह माह से लेकर सात साल तक के पांच बच्चे रह रहे हैं। 15 अगस्त 2026 से यहां बच्चों की देखभाल की जा रही है। बालगृह में रह रही दो बच्चियों की कहानी बेहद मार्मिक है। इनमें से एक बच्ची जन्म के तुरंत बाद नाली में पड़ी मिली थी, जबकि दूसरी बच्ची रेलवे ट्रैक के किनारे झाड़ियों से बरामद हुई थी। अस्पताल में इलाज के बाद उन्हें इस आश्रय में सुरक्षित रखा गया था, लेकिन यहां भी उनके साथ दुर्व्यवहार की बात सामने आने से संरक्षण गृहों की निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

68,500 शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों ने पंकज चौधरी से लगाई गुहार, मिला न्याय का भरोसा

लखनऊ, संवाददाता। 68500 सहायक अध्यापक भर्ती–2018 में आरक्षण की विसंगतियों को लेकर अभ्यर्थियों का संघर्ष लगातार जारी है। पिछले 73 दिनों से इको गार्डन में धरना दे रहे अभ्यर्थियों के प्रतिनिधिमंडल ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद पंकज चौधरी से मुलाकात कर न्याय की गुहार लगाई। अभ्यर्थियों ने ज्ञापन सौंपकर आरक्षण संबंधी विसंगतियों को दूर करने और पात्र अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने की मांग की। प्रदेश अध्यक्ष ने मामले के जल्द समाधान का भरोसा दिलाया है। अनवरत धरना प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे अभ्यर्थी तूफान सिंह व आशुतोष वर्मा ने बताया कि अभ्यर्थी पिछले आठ वर्षों से 68,500 शिक्षक भर्ती में आरक्षण संबंधी विसंगतियों को दूर कराने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उनकी प्रमुख मांग है कि राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग एवं राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा जारी आदेशों और संस्तुतियों का अनुपालन करते हुए ओबीसी वर्ग को आरक्षित श्रेणी का लाभ दिया जाए तथा परिणाम संशोधित कर पात्र अभ्यर्थियों को नियुक्ति प्रदान की जाए। अभ्यर्थियों ने ओबीसी आरक्षण के साथ दिव्यांग, भूतपूर्व सैनिक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और उनके आश्रित अभ्यर्थियों को भी नियमानुसार आरक्षण का लाभ देने की मांग उठाई। उनका कहना है कि भर्ती प्रक्रिया में आरक्षण संबंधी नियमों का पालन सुनिश्चित कर पात्र अभ्यर्थियों के साथ न्याय किया जाना चाहिए। तूफान सिंह ने कहा कि अभ्यर्थी इससे पूर्व प्रदेश सरकार के कई कैबिनेट मंत्रियों, बेसिक शिक्षा विभाग के जिम्मेदार मंत्रियों एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के आवास पर भी अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर चुके हैं। प्रत्येक बार कार्यवाही का आश्वासन मिला, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं हो सका है। इसी क्रम में तूफान सिंह, आशुतोष वर्मा और नवीन चौधरी सहित एक प्रतिनिधिमंडल ने बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष एवं लोक सभा सांसद पंकज चौधरी से मुलाकात कर पूरे प्रकरण से अवगत करा कर एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन लेने के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने अभ्यर्थियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि उनके प्रकरण पर वार्ता चल रही है। वे स्वयं इस मामले का समाधान कराना चाहते हैं और जल्द से जल्द अभ्यर्थियों के साथ न्याय सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की बीजेपी सरकार दलितों पिछड़ों के साथ है उनके साथ कोई भेदभाव नहीं होगा। आठ वर्षों से नियुक्ति और आरक्षण संबंधी विसंगतियों के समाधान की प्रतीक्षा कर रहे अभ्यर्थियों ने प्रदेश अध्यक्ष के आश्वासन पर उम्मीद जताई है। उनका कहना है कि अब सरकार को आयोगों के आदेशों और संस्तुतियों के अनुरूप कार्रवाई कर पात्र अभ्यर्थियों को उनका अधिकार देना चाहिए।

खाद्य प्रसंस्करण योजनाओं को लेकर किसानों, महिलाओं, युवाओं और उद्यमियों को किया जाए जागरूक–केशव

खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों पर 5 करोड़ रुपये तक की सब्सिडी



लखनऊ, संवाददाता। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अपर मुख्य सचिव बीएल मीणा को निर्देश दिए हैं कि प्रदेश सरकार की खाद्य प्रसंस्करण 2023 संबंधी योजनाओं और उनमें उपलब्ध वित्तीय सहायता एवं प्रोत्साहन का ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक प्रचार–प्रसार कराया जाए। किसानों, कृषि उद्यमियों, युवाओं, स्वयं सहायता समूहों , किसान उत्पादक संगठनों तथा महिला उद्यमियों को इन योजनाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई जाए, जिससे वे कृषि उत्पादों के उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, भंडारण और निर्यात के क्षेत्र में आगे आ सकें। उत्तर प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की अपार संभावनाएं हैं। सरकार का उद्देश्य किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाने, कृषि उत्पादों की बर्बादी रोकने, ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाने तथा प्रदेश के उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाना है। इसके लिए विभाग योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करे। खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना के लिए प्लांट, मशीनरी और तकनीकी सिविल कार्य पर 35 प्रतिशत, अधिकतम पांच करोड़ रुपये तक पूंजीगत सब्सिडी का प्रावधान है। इकाइयों के विस्तार एवं आधुनिकीकरण पर भी 25 से 35 प्रतिशत तक सहायता दी जा सकती है। भूमि खरीद पर 100 प्रतिशत स्टाम्प ड्यूटी छूट, भूमि उपयोग परिवर्तन शुल्क में 50 प्रतिशत छूट तथा पात्र परियोजनाओं में बाह्य विकास शुल्क पर 75 प्रतिशत छूट जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। कोल्ड चेन, मूल्य संवर्धन, एग्रो प्रोसेसिंग क्लस्टर और बैकवर्ड–फॉरवर्ड लिंकेज विकसित करने के लिए भी आकर्षक अनुदान की व्यवस्था है। पात्र परियोजनाओं में 10 करोड़ रुपये तक की सहायता दी जा सकती है। स्वयं सहायता समूहों, एफपीओ और किसानों को विकेंद्रीकृत प्रसंस्करण एवं भंडारण के लिए परियोजना लागत का 50 प्रतिशत अथवा अधिकतम 50 लाख रुपये तक अनुदान मिल सकता है।महिला उद्यमियों को पात्र सौर ऊर्जा परियोजनाओं में 90 प्रतिशत तक सब्सिडी तथा निर्धारित देशों को छोड़कर निर्यात पर 25 प्रतिशत फ्रेट सब्सिडी का प्रावधान है।

निमंत्रण दिल बहलाते

(छप्पय)

रिश्तों से हो दूर व्यस्त हो नया जमाना।
सदाचार को भूल भेजते दावतनामा।
मोबाइल के पत्र ख़बर यह लेकर आते।
मेजबान हैं मौन निमंत्रण दिल बहलाते।
बिन बोले ही हो रही अब तो रस्स अदायगी।
प्रेम–भाव की है यही सुन्दर पावन बानगी।।

भाग–दौड़ दिन–रात समय का बना बहाना।
भूले सभी अजीज मित्र–घर आना जाना।
रंग–बिरंगे चित्र भेज कर फर्ज निभाते।
बिना मिले ही साल महीने यूँ कट जाते।
उत्सव शादी–ब्याह में अहंकार का शोर है।
रिश्ते सब खामोश है चर्चा यह चहुँओर है।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

डालीगंज जैन बाग में तीर्थंकर जन्म कल्याणक महोत्सव मनाया गया

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के डालीगंज स्थित जैन बाग में गुरुवार को तीर्थंकर जन्म कल्याणक महोत्सव मनाया गया। श्री मज्जिनेन्द्र जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महा महोत्सव में तीर्थंकर बालक के जन्म पर धार्मिक अनुष्ठान हुए। अयोध्या नगरी में बधाइयां गूंजीं और श्रद्धालुओं ने नृत्य–संगीत के बीच जन्मोत्सव मनाया। इस दौरान 1008 कलशों से अभिषेक किया गया। पांच दिवसीय पंचकल्याणक महोत्सव आचार्य 108 सुबल सागर महाराज के ससंघ मंगल सानिध्य में आयोजित हो रहा है। सन्मति रत्न, सिद्धचक्र आराधक और प्रज्ञा श्रमण की उपस्थिति में धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हो रहे हैं। जन्म कल्याणक पर सुबह 7 बजे जिनाभिषेक और नित्य आराधना के साथ कार्यक्रम शुरू हुए। इसके बाद अयोध्या नगरी में तीर्थंकर बालक के जन्मोत्सव की खुशियां मनाई गईं। सौधर्म इंद्र सभा और उनके नगरी आगमन का दृश्य प्रस्तुत किया गया। इसके बाद तीर्थंकर बालक को ऐरावत हाथी पर बैठाकर पांडुक वन ले जाया गया। यहां 1008 कलशों से अभिषेक और जन्म कल्याणक पूजन हुआ। धार्मिक प्रस्तुतियों को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। महोत्सव में आचार्य सुबल सागर महाराज ने श्रद्धालुओं को दिव्य देशना दी। शाम 7 बजे महाआरती और शास्त्र सभा आयोजित की जाएगी। रात 7.30 बजे बाल क्रीड़ा, तीर्थंकर बालक का पालन और अन्य धार्मिक प्रसंगों पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। मीडिया प्रभारी पार्श्व कुमार जैन ने बताया कि पांच दिवसीय महोत्सव में धार्मिक अनुष्ठानों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। आयोजकों ने धर्मप्रेमियों से कार्यक्रम में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है।

आपदा मित्रों ने की 20 लाख बीमा और 26,910 न्यूनतम मासिक वेतन की मांग

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी में गुरुवार को उत्तर प्रदेश आपदा मित्र एसोसिएशन के सदस्यों ने अपनी मांगों को लेकर परिवर्तन चौक पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विधानसभा की ओर बढ़ने की कोशिश की। पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें रोक दिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच धक्का–मुक्की हुई। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वे वर्ष 2018 से सरकार और राहत आयुक्त के निर्देश पर आपदा प्रबंधन से जुड़े काम कर रहे हैं। बाढ़, भूकंप और कोरोना जैसी आपदाओं के अलावा कुंभ, माघ मेला, सावन मेला और गणतंत्र दिवस परेड में भी ड्यूटी करते रहे हैं। इसके बावजूद उनकी मांगों पर सरकार की ओर से कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष राज किशोर ने कहा कि आपदा मित्रों को वर्ष 2018 में आईडी कार्ड और किट दी गई थी। इसके बाद से वे पुलिस और प्रशासन के साथ मिलकर आपदा के समय लगातार सेवाएं दे रहे हैं। अग्नि सचेतक और नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण जैसे कार्यों में भी सहयोग करते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से घोषित 5 लाख रुपए की बीमा राशि को बढ़ाकर 20 लाख रुपए किया जाए। सभी आपदा मित्रों को 26,910 रुपए प्रतिमाह न्यूनतम वेतन दिया जाए। इसके साथ ही उन्हें औपचारिक रूप से आपदा कर्मचारी घोषित किया जाए। एसोसिएशन ने आपदा मित्रों और आपदा सखियों के लिए स्वास्थ्य बीमा, ईएसआई, पीएफ और रिटायरमेंट लाभ की मांग की है। संगठन का कहना है कि उन्हें सड़क सुरक्षा, ट्रैफिक व्यवस्था, सुरक्षित विद्यालय और फायर ब्रिगेड से जुड़े कार्यों में भी जिम्मेदारी दी जाए। प्रदर्शनकारियों ने बीमा पॉलिसी, डीजी लॉकर सर्टिफिकेट और डिजिटल नंबर वाले नए आईडी कार्ड जारी करने की मांग भी उठाई।

विधानसभा के सामने व्यक्ति ने खुद पर पेट्रोल डालकर आत्मदाह की कोशिश की

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी में विधानसभा गेट नंबर–3 के सामने गुरुवार को एक व्यक्ति ने खुद पर पेट्रोल डालकर आत्मदाह की कोशिश की। बहराइच के कैसरगंज निवासी चंदन पत्नी और दो बच्चों के साथ विधानसभा पहुंचा था। जमीन विवाद से परेशान होकर उसने यह कदम उठाया। अचानक हुई घटना से मौके पर अफरा–तफरी मच गई। चंदन का आरोप है कि उसकी सौतेली मां ने उसकी जमीन पर कब्जा कर रखा है। इसको लेकर वह पिछले आठ महीने से अधिकारियों के चक्कर लगा रहा है। कई जगह शिकायत करने के बावजूद उसकी समस्या का समाधान नहीं हुआ।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या 32/2026 दिनांक: 09.11.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि0 मंडल सामग्री प्रबंधक, उ.म.रे., प्रयागराज निम्नलिखित मदों के लिये ई-प्रापण निविदा आमंत्रित करते हैं।

निविदा सं.	विवरण	मात्रा	ई.म.डी.(₹)	निविदा खुलने की तिथि
19267755	2x500 केवीए जनरेटर आधारित होटल लोड कनवर्टर	02 सेट	4,31,880/-	16.12.2026

नोट: (1) उपरोक्त सभी ई प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। (2) उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T. Act 2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class III Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) सलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र हस्ताक्षरित होने चाहिये। (4) निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंशियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय भार अन्य किसी भी फार्म /लेटर हेड पर यदि संलग्न हैं तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। (5) उपरोक्त निविदा सूचना को उत्तर मध्य रलवे की वेबसाईट https://www.ncr.indianrailways.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है। (6) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाईट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है।

2560/26 (MG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

आत्मघाती हरकतें

जैसा कि पहले से ही डर भी था दिवाली के बाद देश की राजधानी ही नहीं, दिल्ली से लगते हरियाणा– उत्तर प्रदेश स्थित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्रों में शहरों के गैस चौंबर बनने की खबरें मीडिया में आई हैं। जिसमें सत्ताधीशों की काहिली और नागरिकों के गैर–जिम्मेदार व्यवहार की बराबर की भूमिका रही है। जब वायु प्रदूषण की बात होती है तो सिर्फ दिल्ली की बात होती है, जबकि शेष देश में भी स्थिति कमोबेश ऐसी ही है। हमारा गैर जिम्मेदार व्यवहार केवल दिवाली के समय ही नजर नहीं आता, हम चुनाव के दौरान भी स्वास्थ्य से जुड़े गंभीर मसलों को मुद्दा बनाने की कोशिश नहीं करते। सर्दियों की शुरुआत में मौसमी बदलाव, हवा के प्रवाह में कमी, बढ़ते वाहनों का प्रदूषण, निर्माण कार्य में धूल को लेकर लापरवाही व उद्योगों द्वारा पैदा प्रदूषण मिलकर स्थिति को जानलेवा बना देते हैं। एक बार फिर साबित हुआ कि सत्ताधीश जहरीली हवा से अपने नागरिकों को बचाने में नाकाम रहे हैं। अब तो सवाल प्रदूषण को लेकर सामने आने वाले आंकड़ों की हकीकत को लेकर भी उठ रहे हैं। बताया जा रहा है कि पिछले पांच सालों में इस बार सबसे ज्यादा प्रदूषित दिवाली रही है। लेकिन वास्तविक आंकड़े सामने नहीं आए हैं। कहा गया कि प्रदूषण के चरम समय के दौरान दिल्ली के बीस से अधिक मॉनिटरिंग स्टेशनों से डेटा भेजना बंद कर दिया गया। जिससे सरकारी आंकड़ों की विश्वसनीयता को लेकर भी सवाल उठे हैं। बताया गया कि प्रदूषण मापने वाले काफी स्टेशन काम नहीं कर रहे थे। ऐसे में जब लाखों लोग अपने सेहत को लेकर इन आंकड़ों पर निर्भर रहते हैं, तो सरकारी–निजी प्लेटफॉर्मों के आंकड़ों के अंतर ने जनता के संदेह को गहरा किया है। इसकी जवाबदेही के लिए जांच जरूरी है। विडंबना यह है कि इस आपात स्थिति में राजनीतिक दल बयानबाजी से बाज नहीं आ रहे हैं। फलतरू इस जहरीली हवा में लोगों का दम घुटता है। एक ओर जहां 'आप' दिल्ली की भाजपा सरकार पर नियमों को ठीक से लागू न करने व प्रदूषण आंकड़ों में हेराफेरी का आरोप लगा रही है। वहीं भाजपा 'आप' शासित पंजाब में पराली जलाने को प्रदूषण का कारण बता रही है। तात्कालिक कारकों को नजरअंदाज कर भी दें, लेकिन वाहनों, उद्योगों और कृषि से होने वाले उत्सर्जन की पारदर्शी–नियमित निगरानी जरूरी है। प्रशासन स्वास्थ्य से जुड़ी सलाहों को प्रभावी बनाए ताकि बच्चों–बुजुर्गों और श्वसनतंत्र से जुड़े रोगों से जूझ रहे लोगों को राहत मिले । सालों से हम राजनीतिक नौटंकी, बहानेबाजी व कामचलाऊ उपायों को देख रहे हैं। लेकिन मिलजुलकर ईमानदार कोशिश होती नजर नहीं आती। आखिर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बावजूद प्रशासनिक तंत्र क्यों नहीं जागता? नागरिक भी पर्यावरण रक्षा के लिये अपनी हिस्से की जिम्मेदारी क्यों नहीं निभाते? बेहतर हो कि हम पर्व पर पटाखे प्रतीकात्मक रूप में ही जलायें। किसी उत्सव को मनाने के तौर–तरीके समाज ही बनाता है। जिसमें समय–हालात के हिसाब से बदलाव भी होता है। लेकिन हम आतिशी जिद में अपने व लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। विदेशों में भारत की छवि खराब कर रहे हैं। फिर यह आत्मघाती कवायद क्यों? चिकित्सा विशेषज्ञ बताते हैं कि यदि एक्यूआई तीन सौ होता है तो हमारी उम्र साढ़े तीन साल तक घट सकती है। जिन बच्चों के फेफड़े विकसित हो रहे हैं और बुजुर्गों के लिये यह स्थिति चिंताजनक है। सांस की बीमारी से जूझ रहे लोगों और कमजोर फेफड़ों वाले मरीजों के लिये यह स्थिति बेहद घातक हो जाती है। सरकारों की तरफ से स्पष्ट गाइडलाइन्स होनी चाहिए कि ऐसे में लोगों को क्या करना चाहिए, कहां रहना चाहिए, बाहर निकलने पर कौन सा मास्क पहनना चाहिए। लेकिन ध्यान रहे मास्क या प्यूरीफायर भी बेहद खराब स्थिति में काम नहीं करते। यही वजह है कि सांस व फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों वाले मरीजों की संख्या ओपीडी में तेजी से बढ़ रही है। शिकागो यूनिवर्सिटी के ईपीआईसी के शोधकर्ताओं ने चेताया है कि भारत में प्रदूषण के कारण लोगों की उम्र नौ साल तक घट सकती है। सही मायने में सरकार ही नहीं, हर व्यक्ति को पर्यावरण संरक्षण के लिये अपने हिस्से की जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

एसआईआर पर नए सवाल

डॉ. दीपक पाचपोर

बैंक में जमा किए गए नोट और निकाले गए नोट की गिनती मेल न खाए तो इसका मतलब यही है कि बैंक में किसने कितना जमा किया और किसने कितना निकाला इसका हिसाब बैंक नहीं दे पाए तो यह नोटों की चोरी होगी।

वोट चोरी और एसआईआर इन दो मुद्दों पर चुनाव आयोग की संदिग्ध भूमिका पर अब एक और बड़ा खुलासा हुआ है। द रिपोर्टर्स कलेक्टिव की एक ताजा रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में दो राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश की 51 सीटों पर डाले गए वोटों और गिने गए वोटों में भारी अंतर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईवीएम से गिने गए वोट और बूथ में दाखिल मतदाताओं की संख्या मेल खानी चाहिए। लेकिन चुनाव आयोग ने ये सारे ब्यौरे सार्वजनिक ही नहीं किए। इस धांधली को आसान भाषा में समझाने के लिए बैंक का उदाहरण दिया गया है कि बैंक लोगों के जमा किए गए नोटों की रखवाली करता है। बैंक में जमा किए गए नोट और निकाले गए नोट की गिनती मेल न खाए तो इसका मतलब यही है कि बैंक में किसने कितना जमा किया और किसने कितना निकाला इसका हिसाब बैंक नहीं दे पाए तो यह नोटों की चोरी होगी। ठीक ऐसे ही चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है कि वह हरेक वोट का हिसाब रखे, लेकिन जो रिपोर्ट सामने आई है, वह वोट चोरी के भयानक खेल को उजागर करती है। बता दें कि हर बूथ यानी मतदान केंद्र के पोलिंग अधिकारी को दो गिनतियों की जिम्मेदारी दी जाती है, एक–कितने मतदाता बूथ में आए, दो–कितने वोट डाले गए। अगर इन दोनों गिनतियों में मेल नहीं होता है, तो इसका मतलब है कि गड़बड़ी हुई है। 2019 के आम चुनाव तक चुनाव आयोग हर बूथ में मतदान के आंकड़े सार्वजनिक करता था। लेकिन 2019 के बाद से यह जरूरी काम चुनाव आयोग ने बंद कर दिया। अगर चुनाव आयोग यह काम जारी रखता तो किसी भी मतदान केंद्र में की गई गड़बड़ी का पता चल जाता, लेकिन अब ऐसा नहीं है। लिहाजा खोजी पत्रकारों को इस काम में लगना पड़ा है। रिपोर्टर्स कलेक्टिव ने 530 निर्वाचन क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारियों की तरफ से जमा की गई आंतरिक रिपोर्ट तक पहुंच बनाई, फिर 4212 पक्के दस्तावेज को डिजीटाइज किया और फिर इन डिजीटल कॉपियों का मूल्यांकन किया। जिसमें अभी 51 सीटों की गड़बड़ी सामने आई है। इनमें 19 सीटों पर आयोग के अधिकारियों ने बूथ में दाखिल वोटरों की संख्या शून्य दिखाई है। इसके दो मतलब हैं, या तो किसी ने वोट ही नहीं डाला, या जो दस्तावेज मौजूद हैं वे फर्जी हैं। महाराष्ट्र और हरियाणा की 39 सीटों पर डाले गए वोट और गिने गए वोट में भारी अंतर है। जैसे हरियाणा की बड़खल सीट पर 3.32 लाख वोट पड़े, लेकिन गिने गए सिर्फ 1.60 लाख। यहां से कांग्रेस के विजय प्रताप सिंह 6000 वोटों से हार गए। उन्होंने धांधली की शिकायत करते हुए कोर्ट का रुख किया। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने रिकॉर्ड पेश करने का आदेश दिया, तो मोदी सरकार ने नियमों में बदलाव कर दिए और नागरिकों को चुनावी दस्तावेज हासिल करने से प्रतिबंधित कर दिया। रिपोर्ट में ऐसे कई गंभीर खुलासे हैं और माना जा रहा है कि अभी ऐसी कई और बड़ी गड़बड़ियां सामने आएंगी। लेकिन असल में ये सीधे–सीधे चुनाव चोरी ही है। राहुल गांधी ने 2024 के चुनाव के बाद भी कहा था कि अगर धांधली न होती तो भाजपा इतनी सीटें भी न जीत पाती। लोकतंत्र के लिए खतरनाक बात यह है कि तब से अब तक धांधली का स्तर और दुस्साहस काफी बढ़ गया है। अभी जिस तरह एसआईआर पर ही चुनाव आयोग पर सवाल उठ रहे हैं, सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही है, विपक्ष आंदोलन तक करने पर मजबूर हो गया यहां तक कि उसे मॉक पार्लियामेंट लगाकर ज्ञानेश कुमार पर महाभियोग का प्रस्ताव लाना पड़ा क्योंकि बाकी सारे दरवाजे बंद कर दिए गए हैं, उससे समझ आता है कि कहीं कोई इतना बड़ा धोखा जनतंत्र के साथ किया गया है, जिसे हरसंभव तरीके से छिपाने की कोशिश की जा रही है। अगर बात खुल जाएगी तो न केवल ज्ञानेश कुमार बल्कि नरेन्द्र मोदी की कुर्सी भी जाएगी। क्योंकि लोकसभा समेत कई चुनावों के परिणाम अब अवैध लगने लगे हैं। अभी एसआईआर पर एक नया खुलासा हुआ है कि पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग जिन मतदाताओं के नाम हटवाने के लिए अपील कर रहा है, उनमें 89.5 प्रतिशत नाम मुस्लिम समुदाय के हैं। खास बात यह है कि इन मतदाताओं को न्यायिक अधिकारियों ने पहले ही मतदाता सूची में शामिल किए जाने के योग्य माना था। इसी तरह कर्नाटक में मुस्लिम विधायकों के प्रतिनिधित्व वाले 10 विधानसभा क्षेत्रों में कुल मतदाताओं के 27.59 प्रतिशत नाम एसआईआर के दौरान हटा दिए गए हैं। यह सब महज संयोग नहीं है, चुनाव चोरी के बड़ी पहेली का एक छोटा हिस्सा है। एक हिस्से का खुलासा तो खुद भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। उनके अनुसार, उत्तर प्रदेश की प्रारूप मतदाता सूची से करीब 1.27 करोड़ हिंदू मतदाताओं के नाम गायब हैं। एक चौनल पर उन्होंने दावा किया है कि एसआईआर के बाद प्रदेश की मतदाता सूची में मुस्लिम मतदाताओं की संख्या में 1.65 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने इस पर अपनी पार्टी या चुनाव आयोग पर सवाल नहीं उठाया, बल्कि विपक्षी सपा के नेता अखिलेश यादव के लिए कहा कि उनसे बोलो ना मांग करें कि एसआईआर वापस ले लिया जाए। वो मांग नहीं करेंगे, इसलिए नहीं मांग करेंगे क्योंकि यूपी के अंदर एसआईआर के पहले जितने मुस्लिम मतदाता थे, उसमें काफी बढ़ोतरी हुई है। योगी का यह बयान विरोधाभासों से भरा हुआ है। अखिलेश यादव ज्ञानेश कुमार के खिलाफ शामिल आंदोलन में शामिल हुए हैं। एसआईआर की सत्यता पर वे कई बार सवाल उठा चुके हैं।

मतदाता सूची का पुनरीक्षण और निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता का सवाल

अरुण कुमार डनायक

लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदाता सूची नागरिक के राजनीतिक अधिकार की आधारशिला है। इसमें अपात्र व्यक्ति का नाम होना जितना अनुचित है, उतना ही गंभीर किसी पात्र नागरिक का नाम हटाया जाना भी है। इसलिए नियमित पुनरीक्षण आवश्यक है, लेकिन इसकी प्रक्रिया और पारदर्शिता निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता तथा लोकतंत्र में नागरिकों के विश्वास से जुड़ी है। देश के अनेक राज्यों में चल रहा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) इसी कसौटी पर चर्चा के केंद्र में है। क्या नागरिक इस प्रक्रिया से अनभिज्ञ थे? पूरी तरह ऐसा नहीं कहा जा सकता। आयोग ने जागरूकता अभियान चलाया, फिर भी अनेक लोग प्रक्रिया की गंभीरता और समय पर प्रपत्र न भरने के परिणामों से अनजान रहे। कुछ रोजगार में व्यस्त थे तो कुछ तक सूचना नहीं पहुंची। लेकिन नागरिकों की अनभिज्ञता आयोग को अपनी प्रशासनिक जिम्मेदारी से मुक्त नहीं करती। उसका दायित्व सूचना पहुंचाने के साथ आवश्यक सहायता देना भी है। विशेष गहन पुनरीक्षण के विभिन्न चरणों में देशभर की प्रारूप मतदाता सूचियों से लगभग 13.37 करोड़ नाम हटाए गए थे। बिहार, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और दिल्ली जैसे राज्यों में इस प्रक्रिया को लेकर विशेष विवाद और असंतोष सामने आया। हटाए गए नामों में मृत, स्थानांतरित, अनुपस्थित और दोहरी प्रविष्टियों वाले मतदाता शामिल हो सकते हैं। लेकिन इतने बड़े पैमाने पर नाम हटने के बाद यह जांचना जरूरी है कि कितने नाम उचित कारणों से हटे और कितने पात्र मतदाता प्रशासनिक या तकनीकी त्रुटियों के शिकार हुए। अनेक लोगों की शिकायत थी कि लंबे समय से क्षेत्र में रहने और बीएलओ के सामने गणना प्रपत्र भरने के बावजूद प्रारूप सूची से उनके नाम गायब थे। कुछ को स्थानांतरित बताकर हटा दिया गया, जबकि कुछ को मृत बता कर। ऐसे मामले मतदाता सूची की शुद्धता के साथ किसी व्यक्ति को अनुपस्थित या स्थानांतरित घोषित करने की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाते हैं। दूसरी ओर, विशेष शिविरों में कम उपस्थिति भी नागरिकों की उदासीनता दर्शाती है। अनेक लोगों को नाम हटाए जाने की जानकारी नहीं थी या वे प्रपत्र और दस्तावेजों को लेकर असमंजस में थे। दिहाड़ी मजदूरों के लिए काम छोड़कर शिविर पहुंचना कठिन था। पुराने दस्तावेज न होने पर बार–बार कार्यालय जाने से भी लोग बचते रहे। वर्ष 2002 की पुरानी मतदाता सूची से अपना या माता–पिता का संबंध स्थापित करना भी अनेक लोगों के लिए कठिन रहा। कई लोगों को उस समय का मतदान केंद्र या विधानसभा क्षेत्र याद नहीं था। जिनका पुरानी सूची से संबंध नहीं जुड़ पाया, उन्हें वैकल्पिक दस्तावेज जुटाने पड़े। कुछ आवेदकों को यह स्पष्ट नहीं था कि कौन–से दस्तावेज मान्य होंगे। पुरानी सूची सत्यापन का एक माध्यम हो सकती है, लेकिन उसके आधार पर संबंध स्थापित न कर पाने वालों को वर्तमान वैध दस्तावेजों से अपनी पात्रता प्रमाणित करने की सहज सुविधा मिलनी चाहिए। इस प्रक्रिया में बीएलओ पर घर–घर जाकर गणना प्रपत्र भरवाने, अनुपस्थित लोगों की जानकारी जुटाने, नोटिस पाने वालों से संपर्क करने और शिविरों में काम करने की जिम्मेदारी है। मकान संख्या दर्ज न होने से घरों की पहचान में भी कठिनाई आती है। महीनों तक क्षेत्र में काम करने से उनके नियमित कार्यालयीन दायित्व प्रभावित होते हैं। पर्याप्त संसाधन और सहयोग दिए बिना सर्वेक्षण, सत्यापन और मतदाताओं की सहायता का पूरा भार बीएलओ पर डालना उचित नहीं है। कठिनाइयां सामने आने पर आयोग ने विशेष शिविर लगाए, अधिकारियों की संख्या बढ़ाई, नोटिसों के निपटारे में छूट दी और कई राज्यों में समय–सीमा बढ़ाई। दिल्ली में भी अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन की तारीख आगे बढ़ाई गई। ये कदम बताते हैं कि प्रक्रिया में सुधार की जरूरत पड़ी। सवाल है कि अनुभवी अधिकारियों और तीनों निर्वाचन आयुक्तों की मौजूदगी के बावजूद इन कठिनाइयों का पूर्वानुमान क्यों नहीं लगाया गया? यह आयोग की योजना, तैयारी और कार्यप्रणाली पर प्रश्न खड़े करता है। सर्वोच्च न्यायालय में दाखिल हलफनामे में आयोग ने एसआईआर के प्रमुख निर्णयों को तीनों निर्वाचन आयुक्तों की सर्वसम्मति से लिया गया बताया है। दूसरी ओर, सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी की ओर से दर्ज टिप्पणियों और आपत्तियों की खबरें भी सामने आई हैं। आयोग का कहना है कि व्यक्तिगत टिप्पणियां अपने आप में आयोग के निर्णय नहीं हैं। मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या निर्णय लेने से पहले सभी आयुक्तों को पर्याप्त जानकारी और परामर्श मिला? फॉर्म–6 के साथ अतिरिक्त घोषणा–पत्र जोड़ने का विवाद भी इसी संदर्भ में उल्लेखनीय है। आयोग के अनुसार, फॉर्म–6 में औपचारिक संशोधन नहीं किया गया था, बल्कि पुराने मतदाता रिकॉर्ड का विवरण देने के लिए अलग घोषणा–पत्र जोड़ा गया था। आयोग ने स्वीकार किया कि ऑनलाइन पोर्टल पर इसे फॉर्म के साथ प्रदर्शित करने से संशोधन का भ्रम पैदा हो सकता था। बाद में दोनों को अलग करने का निर्णय लिया गया। सवाल है कि महत्वपूर्ण वैधानिक प्रक्रिया में इस्तेमाल होने वाले प्रपत्र को लागू करने से पहले पर्याप्त स्पष्टता क्यों नहीं बरती गई? यह प्रकरण आयोग की आंतरिक परामर्श और निर्णय प्रक्रिया की पारदर्शिता पर भी प्रश्न उठाता है। उत्तर प्रदेश की विधान परिषद की मतदाता सूची में सामने आई 158 असामान्य प्रविष्टियां भी तकनीकी व्यवस्था के साथ मानवीय जांच और सत्यापन की जरूरत रेखांकित करती हैं। 14.81 लाख प्रविष्टियों में इनकी संख्या भले कम हो, लेकिन ऐसी गलतियां बताती हैं कि केवल सॉफ्टवेयर पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। मतदाता सूची पुनरीक्षण में निजी क्षेत्र के कर्मचारियों और शिक्षकों की सेवाएं लेने पर विचार किया जा सकता है, लेकिन इसके लिए स्पष्ट कानूनी प्रावधान, पारदर्शी चयन, प्रशिक्षण और जवाबदेही जरूरी है। निर्वाचन आयोग अपना स्थायी प्रशिक्षित तकनीकी और मैदानी कर्मचारी ढांचा विकसित करे, ताकि बीएलओ पर अतिरिक्त बोझ न पड़े और अंतिम सत्यापन तथा निर्णय वैधानिक निर्वाचन अधिकारियों के पास रहें। एसआईआर की विश्वसनीयता के लिए नाम हटाने से पहले मतदाता को व्यक्तिगत सूचना और पक्ष रखने का अवसर मिले। केवल बीएलओ की रिपोर्ट पर नाम न हटे तथा वैकल्पिक दस्तावेजों से सत्यापन की सुविधा हो। आवेदन और शिकायत की व्यवस्था सरल बने। मतदाता सूची से सम्बंधित मामलों के आंकड़े सार्वजनिक हों। निगरानी में राजनीतिक दलों के साथ स्वतंत्र सामाजिक संगठनों को भी शामिल किया जाए। मतदाता सूची की शुद्धता और नागरिकों के मताधिकार दोनों एक–दूसरे के पूरक हैं। निर्वाचन आयोग की सफलता केवल हटाए गए नामों या निपटाए गए प्रपत्रों की संख्या से नहीं, बल्कि इससे आंकी जानी चाहिए कि कितने पात्र नागरिकों का मताधिकार सुरक्षित रहा और गलती से हटाए गए नाम कितनी सहजता से पुनरू जोड़े गए। लोकतंत्र में मताधिकार शासन की कृपा नहीं, नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। इस अधिकार की रक्षा करते हुए मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाना ही आयोग की विश्वसनीयता की असली कसौटी है।

अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के बाद भारतीय नीति-निर्माताओं को संपर्क बढ़ाने की जरूरत

कल्याणी शंकर

हाल ही में हुए अमेरिकी मध्यावधि चुनावों ने अमेरिकी राजनीति में नई जटिलताएं पैदा कर दी हैं, लेकिन भारत–अमेरिका संबंध मूल रूप से मजबूत बने हुए हैं। भारत को दोनों प्रमुख अमेरिकी दलों (डेमोक्रेट्स और रिपब्लिकन्स) का समर्थन बनाए रखना होगा और अमेरिका की बदलती प्राथमिकताओं के अनुसार खुद को ढालना होगा। चूंकि दोनों देश चूंकि वैश्विक चुनौतियोंकृजैसे बड़ी शक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा, आर्थिक बदलाव और जलवायु परिवर्तनकृका सामना कर रहे हैं, इसलिए क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर उनके बीच की साझेदारी बहुत महत्वपूर्ण होगी। दोनों अमेरिकी दलों का समर्थन बनाए रखने, नीतिगत बदलावों के बीच तालमेल बिठाने और अमेरिका के विभिन्न हितधारकों के साथ सहयोग बढ़ाने में भारत के सामने कुछ चुनौतियां भी हैं और कुछ नए अवसर भी। चूंकि दोनों लोकतंत्र साझा वैश्विक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, इसलिए उनकी साझेदारी की मजबूती क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मामलों को प्रभावित करती रहेगी। मध्यावधि चुनावों के नतीजों से अमेरिकी संसद (कांग्रेस) बंट गई हैकृसीनेट पर अभी भी डेमोक्रेट्स का नियंत्रण है, जबकि हाउस (प्रतिनिधि सभा) अब रिपब्लिकन्स के पास है। भारत के लिए इसका मतलब यह है कि नीतियां तो काफी हद तक वैसी ही रहेंगी, लेकिन अमेरिकी फैसलों की प्रक्रिया धीमी हो सकती है और उनके बारे में पहले से अंदाजा लगाना मुश्किल हो सकता है। विदेश मामलों, रक्षा और व्यापार से जुड़ी अहम समितियों में नए नेता आ सकते हैं और उनकी प्राथमिकताएं भी बदल सकती हैं। इसलिए, भारत को दोनों दलों के नेताओं के साथ संपर्क बनाए रखना चाहिए और अमेरिकी विधायी एजंडे में होने वाले बदलावों पर नजर रखनी चाहिए। भारत–अमेरिका संबंधों को दोनों अमेरिकी दलों का मजबूत समर्थन हासिल है। दोनों ही दल भारत को श्इंडो–पैसिफिकश क्षेत्र में स्थिरता के लिए और चीन के प्रभाव को संतुलित करने के लिए एक अहम देश मानते हैं। रक्षा और आतंकवाद विरोधी सहयोग पहले की तरह जारी रहना चाहिए, लेकिन व्यापार, रक्षा



या आव्रजन (इमिग्रेशन) से जुड़ी नई पहलों में देरी हो सकती है। भारतीय अधिकारियों को अमेरिका के राजनीतिक, कारोबारी और सामुदायिक नेताओं के साथ व्यापक संपर्क बनाए रखना होगा। अमेरिका भारत के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक है, और दोनों देशों के बीच बड़े पैमाने पर व्यापार और निवेश होता है। मध्यावधि चुनावों के कारण व्यापार नीति में कोई बहुत बड़ा बदलाव आने की संभावना नहीं है, लेकिन टैरिफ (शुल्क), बाजार तक पहुंच और सप्लाई चेन जैसे मुद्दों पर फिर से बहस छिड़ सकती है। फार्मास्यूटिकल्स, आईटी और कृषि जैसे क्षेत्र अमेरिकी नीतियों में होने वाले बदलावों के प्रति संवेदनशील हैं। साथ ही, तकनीक या बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) में भारतीय निवेश की अधिक बारीकी से जांच की जा सकती है। फिलहाल चल रही व्यापार वार्ता से एक सीमित समझौता हो सकता है, जो दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को और मजबूत करेगा। प्रौद्योगिकी और नवाचार (इनोवेशन) भारत–अमेरिका संबंधों के मुख्य आधार बने हुए हैं। इसमें एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), साइबर सुरक्षा और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में संयुक्त शोध शामिल हैं। तकनीकी हस्तांतरण, डेटा और डिजिटल नीति पर अमेरिकी कांग्रेस के कदम भारतीय कंपनियों को सीधे प्रभावित करते हैं। भारतीय पेशेवरों के लिए आव्रजन (इमिग्रेशन), विशेष रूप से एच–1बी वीजा, बहुत महत्वपूर्ण है, हालांकि इसमें बड़े सुधारों की संभावना कम ही है। अमेरिका में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों की बढ़ती संख्या, अपनी वकालत और सांस्कृतिक संबंधों के माध्यम से दोनों देशों के रिश्तों को और मजबूत बनाती है। दोनों देश एक स्थिर हिंद–प्रशांत क्षेत्र और चीन के प्रभाव को रोकने में समान रुचि रखते हैं। रक्षा सहयोग, संयुक्त सैन्य अभ्यास और खुफिया जानकारी का आदान–प्रदान जारी रहेगा, हालांकि अमेरिकी कांग्रेस की समीक्षाओं के कारण हथियारों की बिक्री और तकनीकी हस्तांतरण की प्रक्रिया धीमी हो सकती है। रूस और ईरान के प्रति अमेरिकी नीति भी भारत को प्रभावित करेगी, खासकर ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय कूटनीति के मामले में। जलवायु और सार्वजनिक स्वास्थ्य अब अधिक प्राथमिकता वाले विषय बन गए हैं, लेकिन अमेरिकी कांग्रेस के भीतर मतभेदों के कारण इस दिशा में प्रगति धीमी हो सकती है। अमेरिका और भारत स्वच्छ ऊर्जा, जलवायु अनुकूलन और सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में मिलकर काम कर रहे हैं, जिसमें संयुक्त अनुसंधान और नवीकरणीय ऊर्जा (रिन्यूएबल एनर्जी) में निवेश शामिल है। भारत का फार्मा उद्योग अमेरिकी नियामक बदलावों पर कड़ी नजर रखता है, क्योंकि भारत जेनेरिक दवाओं का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। मध्यावधि चुनाव के परिणाम अनिश्चितता लेकर आए हैं, लेकिन साथ ही इससे नए अवसर भी पैदा होने की संभावनाएं हैं। भारत अमेरिकी राज्यों, शहरों, व्यापार समूहों और नागरिक समाज के साथ अपना सहयोग गहरा कर सकता है। इससे संघीय स्तर के अलावा अन्य स्तरों पर भी साझेदारी को विविधतापूर्ण और मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। व्यापक संबंध बनाना ही भविष्य में निरंतर मजबूती बनाए रखने की कुंजी होगी। मध्यावधि चुनावों की चुनौतियों के बावजूद, अमेरिका–भारत संबंधों की नींव मजबूत बनी हुई है। भारत को अमेरिकी कांग्रेस की दोनों प्रमुख पार्टियों (डेमोक्रेट और रिपब्लिकन) का समर्थन बनाए रखना चाहिए, बदलती अमेरिकी नीतियों के अनुसार खुद को ढालना चाहिए और अपने जुड़ाव का दायरा बढ़ाना चाहिए। निरंतर सहयोग से यह साझेदारी और फलेगी–फूलेगी तथा वैश्विक मामलों को आकार देने में मदद करेगी।

इम्तियाज अली की 'ओ साथी रे' में दिखेगा अधूरे प्यार का दर्द, 4 दिसंबर को नेटफ्लिक्स पर आएगी सीरीज



प्यार हमेशा दो लोगों के बीच एक जैसा हो, यह जरूरी नहीं। कई बार एक रिश्ते में भावनाएं, उम्मीदें और चाहतें अलग–अलग होती हैं। इसी पहलू को अपनी नई सीरीज 'ओ साथी रे' में दिखाने जा रहे हैं फिल्ममेकर इम्तियाज अली। अदिति राव हैदरी, अविनाश तिवारी और अर्जुन रामपाल स्टारर यह सीरीज 4 दिसंबर 2026 को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। कहानी एक ऐसे कपल की है, जो तलाक की प्रक्रिया से गुजरते हुए अपने रिश्ते और एक–दूसरे के प्रति भावनाओं को नए सिरे से समझने की कोशिश करता है। 'ओ साथी रे' में रोमांस को सिर्फ दो लोगों के मिलने तक सीमित नहीं रखा गया है। सीरीज उन भावनात्मक उलझनों को सामने लाएगी, जो किसी रिश्ते के टूटने के दौरान पैदा होती हैं। इसमें किरदार अपनी पहचान, इच्छाओं और आपसी रिश्तों में मौजूद असमानता से जूझते दिखाई देंगे। कहानी यह समझने की कोशिश करेगी कि जब दो लोगों की चाहत और भावनाएं एक जैसी न हों, तो उनके रिश्ते पर इसका क्या असर पड़ता है। सीरीज का निर्माण विंडो सीट फिल्म्स ने किया है। सीरीज के निर्माता, क्रिएटर और शो रनर इम्तियाज अली ने इसे आधुनिक रोमांटिक कहानी बताया है, जिसमें पुराने दौर के प्यार की संवेदनशीलता मौजूद है। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसे कपल की कहानी है, जो तलाक की प्रक्रिया से गुजर रहा है और इसी दौरान उनके बीच लगाव के नए मायने सामने आते हैं। इम्तियाज के मुताबिक, प्यार में एक–दूसरे के करीब आना ही नहीं, बल्कि कभी–कभी अलग होने की प्रक्रिया से गुजरना भी शामिल होता है। उन्होंने यह भी कहा कि रिश्ता खूबसूरत हो सकता है, लेकिन उसमें बराबरी हमेशा हो, ऐसा जरूरी नहीं है। इम्तियाज ने कलाकारों के चयन पर बात करते हुए कहा कि सीरीज के किरदार कई परतों वाले और वास्तविकता के करीब हैं। इन्हें पर्दे पर उतारने के लिए अदिति राव हैदरी, अविनाश तिवारी और अर्जुन रामपाल को चुना गया है। सीरीज का निर्देशन आरिफ अली ने किया है। इम्तियाज ने नेटफ्लिक्स के साथ अपने पुराने सहयोग का जिक्र करते हुए 'शी' और 'अमर सिंह चमकीला' का भी नाम लिया। नेटफ्लिक्स इंडिया की सीरीज हेड तान्या बामी ने कहा कि रोमांस दर्शकों के बीच पसंद किया जाने वाला जॉनर है, लेकिन सीरीज के फॉर्मेट में इस तरह की कहानियां कम देखने को मिलती हैं। उन्होंने बताया कि 'मुसाफिर कैफे' के बाद प्लेटफॉर्म इम्तियाज अली की 'ओ साथी रे' पेश करने के लिए उत्साहित है। उनके अनुसार, इस कहानी में प्यार को एक अलग नजरिए से दिखाया गया है और यह सवाल उठाया गया है कि क्या हर रिश्ते में प्यार बराबर होता है? तान्या ने इम्तियाज की कहानी कहने की शैली और मानवीय भावनाओं को समझने की क्षमता की तारीफ की। उन्होंने कहा कि अदिति, अविनाश और अर्जुन जैसे कलाकारों के साथ बनी इस सीरीज में हर किरदार कहानी को एक अलग दृष्टिकोण देता है। इम्तियाज अली इससे पहले 'जब वी मेट', 'रॉकस्टार', 'तमाशा', 'लव आज कल' और 'मैं वापस आऊंगा' जैसी फिल्मों में प्यार के अलग–अलग रंग दिखा चुके हैं। अब 'ओ साथी रे' के जरिए वह रिश्तों के उस पहलू को सामने लाने जा रहे हैं, जहां प्यार के साथ असमानता और बिछड़ने का दर्द भी मौजूद है। सीरीज की कहानी इम्तियाज अली, अमोघ कनस्कर और निधि सेठिया ने लिखी है। निधि सेठिया क्रिएटिव प्रोड्यूसर भी हैं। इसका निर्माण इम्तियाज अली, मोहित चौधरी और शिबाशीष सरकार ने किया है।

> "
> 'ओ साथी रे' में रोमांस को सिर्फ दो लोगों के मिलने तक सीमित नहीं रखा गया है। सीरीज उन भावनात्मक उलझनों को सामने लाएगी, जो किसी रिश्ते के टूटने के दौरान पैदा होती हैं। इसमें किरदार अपनी पहचान, इच्छाओं और आपसी रिश्तों में मौजूद असमानता से जूझते दिखाई देंगे।



सोनिया गांधी की बायोग्राफी पर भड़की कंगना रनौत, राहुल गांधी पर कसा तंज, बोलीं- अब समझ आया कहां से सीखते हैं

अभिनेत्री और बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने सोनिया गांधी की जीवनी पर निशाना साधा है। उन्होंने गांधी परिवार से जुड़ी घटनाओं के बारे में सोनिया गांधी के बयानों पर कई सवाल उठाए हैं। इस जीवनी को एक सेल्फ–गोल (खुद का ही नुकसान करने वाला कदम) बताते हुए, कंगना ने राहुल गांधी पर भी तंज कसा और कहा कि उन्हें यह सेल्फ–गोल करने का टैलेंट अपनी मां से विरासत में मिला है। कंगना ने इंस्टाग्राम स्टोरीज के जरिए अपनी बात रखी। इसमें उन्होंने राजीव गांधी की हत्या, परिवार से मेनका गांधी के बाहर होने और सोनिया गांधी की नागरिकता जैसे मुद्दों पर टिप्पणी की। साथ ही, उन्होंने कथित स्विस बैंक खातों को लेकर भी बिना किसी ठोस सबूत के आरोप लगाए। पहली स्टोरी में कंगना ने लिखा–सोनिया गांधी की जीवनी एक तरह का सेल्फ–गोल है। इसमें बताया गया है कि कैसे उन्होंने राजीव गांधी की हत्या वाले दिन उनके साथ जाने से मना कर दिया था, जिसका कारण उन्होंने थकान और सुस्ती बताया। तो अब हमें पता चल गया कि राहुल गांधी को सेल्फ–गोल करने का टैलेंट कहां से मिला है, यह उन्हें अपनी मां से मिला है। अगली स्टोरी में उन्होंने आगे लिखा–राजीव गांधी इस शर्त पर वापस आने को तैयार हुए थे कि मेनका गांधी को जाना होगा। यह मेनका के लिए भी चौंकाने वाली बात थी। खासकर इसलिए क्योंकि संजय गांधी की मौत के बाद, भारत में 15 साल रहने के बाद, सोनिया गांधी ने भारतीय नागरिकता लेने का फैसला किया था। कंगना ने बताया कि मेनका गांधी का कहना है कि वह और इंदिरा गांधी, दोनों ही किसी तीसरे व्यक्ति की वजह से पीड़ित थीं। उन्होंने लिखा– आखिर वह तीसरा व्यक्ति कौन था ? 22 साल की विधवा मेनका से कहा गया कि उन्हें जाना होगा और वह बाकी लोगों के साथ एक मेज पर भी नहीं बैठ सकतीं। सोनिया गांधी ने अपनी जीवनी में लिखा है कि ऐसा इसलिए था क्योंकि विपक्ष में मेनका के दोस्त थे। लेकिन हर कोई जानता है कि राजीव गांधी की राजनीति में कोई दिलचस्पी नहीं थी और उन्होंने खुलकर कहा था कि उन्हें जबरदस्ती प्रधानमंत्री बनाया गया है। तो फिर, मेनका को परिवार से बाहर कौन निकालना चाहता था? उन्होंने आगे कहा "मेनका हैरान थीं क्योंकि उन्हें नहीं पता था कि परिवार के बाकी सभी लोग मरने वाले हैं, और यही एकमात्र तरीका था जिससे उन्हें (मेनका को) रास्ते से हटाया जा सकता था।" "अपनी पूरी जिंदगी में एक भी पैसा कमाए बिना, वह 1991 में दुनिया की सबसे अमीर महिला कैसे बन गईं? कहा जाता है कि उनके नाम पर स्विस खातों में दो अरब डॉलर से ज्यादा की रकम जमा थी। वाह! परिवार के सभी सदस्यों की मौत के बाद, वह गरीब और सहानुभूति बटोरने वाली इतालवी विधवा अचानक अरबपति कैसे बन गईं? उनकी जीवनी में इस बात का जिक्र क्यों नहीं है?

इंदिरा गांधी की बहू से कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत बनने तक...अब फिल्मी पर्दे पर दिखेगी सोनिया गांधी की कहानी, बनेगी तेलुगु फिल्म



तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के कार्यकारी अध्यक्ष जग्गा रेड्डी ने गुरुवार को घोषणा की कि कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की आत्मकथा, बिलॉन्गिंग अ जर्नी ऑफ लव पर एक तेलुगु फीचर फिल्म बनाई जाएगी, जिसमें उनके जीवन और राजनीतिक सफर को दिखाया जाएगा। उन्होंने यह घोषणा संगारेड्डी में कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ताओं की एक बैठक के दौरान की। इस मौके पर उन्होंने संगारेड्डी निर्वाचन क्षेत्र के पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से आगे आने और फिल्म के निर्माण में योगदान देने की अपील की। इस दौरान, निर्वाचन क्षेत्र के कांग्रेस संयोजक जुलाकंती अंजनेयुलु ने फिल्म के निर्माण के लिए 2 करोड़ रुपये का योगदान देने की घोषणा की। जग्गा रेड्डी ने फिल्म निर्माण की प्रक्रिया शुरू करने के लिए 50 सदस्यीय समिति बनाने का सुझाव दिया। उन्होंने बताया कि इस पूरी प्रक्रिया की देखरेख गांधी भवन के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) हरिप्रसाद करेंगे। उन्होंने पार्टी नेताओं से फंड जुटाने को कहा और कार्यकर्ताओं से बोले, आप लोग चुनावों में खर्च करते हैं, है ना? इसे भी वैसा ही एक खर्च समझें। आइए, बजट जुटाते हैं और एक अच्छा निर्देशक चुनते हैं। उन्होंने आगे कहा कि जब तैयारियां पूरी हो जाएंगी, तो वे मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ को फिल्म की शूटिंग शुरू करने के लिए आमंत्रित करेंगे। जग्गा रेड्डी ने यह भी कहा कि सोनिया गांधी की आत्मकथा की प्रतियां मंगवाई जाएंगी और उन्हें पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच बांटा जाएगा, ताकि वे उनके जीवन और अनुभवों को और बेहतर ढंग से समझ सकें। जग्गा रेड्डी ने बताया कि यह फिल्म सोनिया गांधी के जीवन के विभिन्न चरणों को दिखाएगी, जिसमें इंदिरा गांधी की बहू और राजीव गांधी की... ...पत्नी, और राहुल गांधी तथा प्रियंका गांधी की मां। उन्होंने बताया कि यह फिल्म दर्शकों के सामने उन त्रासदियों को लाएगी जिनका सामना इस परिवार ने इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की हत्या के बाद किया था। साथ ही, इसमें सोनिया गांधी द्वारा झेले गए संघर्षों, उनके द्वारा राहुल और प्रियंका की परवरिश, और उनके राजनीतिक सफर को भी दिखाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी ने भारत जैसे विविध धर्मों, जातियों और भाषाओं वाले देश में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी की राजनीतिक व्यवस्था उतनी ही गहरी है जितना कि समुद्र। सोनिया गांधी ने इस राजनीति को समझा है। उन्होंने आगे कहा कि उनका राजनीतिक करियर काफी सफल रहा है। जग्गा रेड्डी ने यह भी बताया कि सोनिया गांधी को प्रधानमंत्री के पद का कोई मोह नहीं था। राजीव गांधी की हत्या के बाद के दौर को याद करते हुए, जब पी.वी. नरसिम्हा राव प्रधानमंत्री बने थे, जग्गा रेड्डी ने कहा कि उस समय सोनिया गांधी ने इस पद को पाने की कोई इच्छा नहीं जताई थी। उन्होंने आगे याद दिलाया कि जब संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सत्ता में आया, तब भी जब कांग्रेस नेताओं ने उनसे प्रधानमंत्री बनने का आग्रह किया, तो उन्होंने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया और इसकी जगह मनमोहन सिंह को यह मौका दिया। इस मौके को ठुकराने के उनके फैसले को एक ऐतिहासिक मील का पत्थर बताते हुए, जग्गा रेड्डी ने कहा कि यह उनके राजनीतिक सफर के एक महत्वपूर्ण चरण को दर्शाता है। उन्होंने यह भी बताया कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना की रूपरेखा सोनिया गांधी, मनमोहन सिंह और राहुल गांधी के विचारों के आधार पर तैयार की गई थी। जग्गा रेड्डी ने आगे कहा कि लोग एक बार फिर गांधी परिवार से किसी को प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं, और सोनिया गांधी की भी यही इच्छा है कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री बनें।

बेटी को नहीं देखने दूंगा यह शो ...बीबी में 7 साल की बेटी तारा का नाम घसीटने पर भड़के जय भानुशाली, यंग और कनिका की लगाई क्लास



अभिनेता जय भानुशाली ने बिग बॉस 20 के कंटेस्टेंट्स की कड़ी आलोचना की है। दरअसल, उनकी सात साल की बेटी तारा को उनकी पूर्व पत्नी और अभिनेत्री माही विज से जुड़ी एक बहस में घसीटा गया था। एक प्रोवोकेशन टास्क (उकसाने वाले टास्क) के दौरान की गई टिप्पणियों पर निराशा जताते हुए, जय ने कहा कि अब वह अपने बच्चों को यह रियलिटी शो नहीं देखने देंगे। सोशल मीडिया पर जय ने एक कड़ा बयान जारी किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी यह प्रतिक्रिया कंटेस्टेंट्स के गेमप्ले को लेकर नहीं, बल्कि अपने बच्चों को नकारात्मकता से बचाने के लिए है। अपनी पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, मेरे बच्चे इसे देख रहे हैं और मुझसे सवाल पूछ रहे हैं। मेरी सभी से गुजारिश है कि मुझे या मेरे बच्चों को इस तरह की नकारात्मकता में टैग न करें। यह पोस्ट जय भानुशाली के तौर पर नहीं, बल्कि एक पिता के तौर पर है। यह विवाद बिग बॉस 20 के घर में एक प्रोवोकेशन टास्क के दौरान शुरू हुआ, जिसमें कंटेस्टेंट्स एक–दूसरे को उकसाने की कोशिश कर रहे थे। इस टास्क के दौरान, माही के मातृत्व और उनकी बेटी तारा को लेकर कुछ टिप्पणियां की गईं। जय के बयान के अनुसार, यंग डीएसए ने तारा के बड़े होने और अपनी मां के कामों पर शर्मिंदा होने की बात कही। वहीं, कनिका मान ने कथित तौर पर कहा कि वह कभी माही के बच्चों से नहीं मिलना चाहेंगी। इसके अलावा, लव गिल की मां ने भी तारा का जिक्र करते हुए सवाल उठाया कि अगर कोई उनकी अपनी बेटी के बारे में ऐसी बातें कहे, तो उन्हें कैसा लगेगा? इन टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए, जय ने सवाल किया कि आखिर... प्रतियोगियों के बीच चल रहे विवाद में एक बच्चे को घसीटा जा रहा था। उन्होंने लिखा, तारा अभी 7 साल की बच्ची है, वह बिग बॉस की कोई प्रतियोगी नहीं है। किसी को नीचा दिखाने के लिए एक बच्चे को बीच में लाना बिल्कुल बेतुका है। अभिनेता ने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने शुरू में ही तय कर लिया था कि वे किसी के गेमप्ले पर टिप्पणी नहीं करेंगे और न ही अलग–अलग प्रतियोगियों के बारे में अपनी कोई राय देंगे। उन्होंने कहा कि जहां भी जरूरत होगी, वे माही का समर्थन करेंगे। हालांकि, उन्होंने किसी प्रतियोगी के खेल की आलोचना करने और उनके परिवार के बारे में निजी टिप्पणी करने के बीच का अंतर भी बताया। जय ने कहा, बिग बॉस एक खेल है। आप माही से असहमत हो सकते हैं, उनके गेमप्ले पर सवाल उठा सकते हैं और उनके फैसलों को चुनौती दे सकते हैं, लेकिन उनके बच्चों, उनके मातृत्व और निजी जीवन को इसमें घसीटना हद पार करने जैसा है। उन्होंने इस बात पर भी चिंता जताई कि ऐसी बातों का उनके बच्चों पर, खासकर तारा पर क्या असर पड़ सकता है, जिसका नाम माही को निशाना बनाने वाली चर्चाओं में बार–बार लिया जा रहा था। उन्होंने आगे कहा, एक पिता के तौर पर, मैं नहीं चाहता कि मेरे बच्चे इस सदमे के साथ बड़े हों कि माही को नीचा दिखाने के लिए हर बात में तारा का नाम लिया जाता है। यह खेल भले ही बाकी लोगों के लिए मनोरंजन हो, लेकिन हमारे लिए यह एक निजी मामला है। मेरे बच्चों की शांति और उनकी मासूमियत हमेशा सबसे पहले है। अपनी बात खत्म करते हुए, जय ने अपने बच्चों को इस रियलिटी शो से दूर रखने के अपने फैसले को दोहराया और अपनी बात समाप्त करते हुए लिखा, गुड बाय बिग बॉस 20।



सर्दियों में रूखी-बेजान त्वचा से पाएं छुटकारा, रसोई का सरसों तेल करेगा कमाल, जानें कैसे

खासतौर पर हाथ-पैरों की स्किन रूखी होने लगती है। जिसके कारण न सिर्फ खुजली की समस्या हो सकती है। वहीं स्किन रूखी होने पर हाथ-पैर सफेद नजर आना शुरू हो जाते हैं। बता दें कि रसोई में रखी पीली चीज यानी की सरसों का तेल इस समस्या को दूर कर सकता है।

आजकल मौसम में बदलाव आना शुरू हो गया है। गर्मियां जा रही हैं और धीरे-धीरे सर्दियों का आगमन हो रहा है। ऐसे में स्किन का रूखा हो जाना आम बात है। खासतौर पर हाथ-पैरों की स्किन रूखी होने लगती है। जिसके कारण न सिर्फ खुजली की समस्या हो सकती है। वहीं स्किन रूखी होने पर हाथ-पैर सफेद नजर आना शुरू हो जाते हैं। बता दें कि रसोई में रखी पीली चीज यानी की सरसों का तेल इस समस्या को दूर कर सकता है। ऐसे में आपके लिए यह जानना जरूरी है कि सरसों के तेल का उपयोग कैसे किया जाए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि स्किन के रूखेपन को दूर करने के लिए सरसों के तेल का कैसे उपयोग करना चाहिए।

ऐसे करें सरसों का तेल उपयोग

सरसों का तेल इस्तेमाल करने के लिए पहले इसको गुनगुना करें। फिर रात में सोने से पहले अपने हाथ-पैरों पर हल्के-हल्के हाथों से मालिश करें। ध्यान रहे कि आपको मालिश तब तक करनी है, जब तक सरसों का तेल स्किन में समा नहीं जाए। फिर प्रभावित स्थान को पानी से नहीं धोना है, बल्कि ऐसे ही सो जाएं। ऐसा करने से आपकी त्वचा सरसों के तेल को सोख लेगी और आपको स्किन के रूखेपन से भी राहत मिल जाएगी।

सरसों के तेल में विटामिन ई पाया जाता है, यह दोनों ही स्किन के लिए बेहद उपयोगी है। ऐसे में आप सरसों के तेल में विटामिन ई कैप्सूल को मिलाकर इससे हाथ-पैर की मालिश करें। इसको रात भर के लिए अपनी त्वचा पर लगा रहने दें। फिर अगले दिन गर्म पानी से साफ कर लें, ऐसा करने से फायदा होगा। बता दें कि ग्लिसरीन और सरसों का तेल भी त्वचा के लिए उपयोगी है। ऐसे में आप दोनों को बराबर की मात्रा में मिक्स कर लें। अब इस मिश्रण को आधे घंटे बाद गुनगुने पानी से साफ कर लें। ऐसा करने से फायदा होगा।

जानिए सरसों के तेल के फायदे

सरसों के तेल में विटामिन ई और एंटीऑक्सीडेंट मौजूद होता है, यह न सिर्फ स्किन को मुलायम बनाता है, बल्कि स्किन को भी कोमल बनाए रखता है।

अगर आप फंगल इंफेक्शन से खुद का बचाव करना चाहती हैं, तो सरसों के तेल में पाए जाने वाला एंटी फंगल गुण आपका इससे बचाव कर सकता है।

रूखी स्किन की वजह से अक्सर खुजली की समस्या होती है, तो इस समस्या से राहत पाने में भी सरसों का तेल बेहद उपयोगी है।

सरसों का तेल लंबे समय तक स्किन पर नमी बनाए रखता है। साथ ही सरसों का तेल स्किन को पपड़ीदार होने से भी रोकता है।



बोर होना समय की बर्बादी नहीं है, दिन भर फ्री बैठने के हैं बहुत से फायदे



जब आप अकेले बैठे होते हैं, खाली होते हैं और बोर हो रहे होते हैं, तो आपको तुरंत कुछ न कुछ करने की बेचैनी महसूस हो सकती है जैसे सोशल मीडिया स्क्रॉल करना या घर के काम करना। हर समय किसी न किसी काम में व्यस्त रहना आसान लगता है, जबकि कुछ न करना और बोर होना मुश्किल लगने लगता है। लेकिन आपके दिमाग को भी आराम की जरूरत होती है, जिस पर लोग ज्यादा ध्यान नहीं देते।

ब्रेन को ब्रेक देने की जरूरत क्यों होती है?

विशेषज्ञ ने समझाया कि आपको अपने दिमाग को लगातार मिल रहे स्टिमुलेशन (उत्तेजना) से ब्रेक देने की जरूरत क्यों है, और बोर होना क्यों ठीक है। क्योंकि दिमाग को वास्तव में धीमा होने के लिए समय की जरूरत होती है। खुद को लगातार मनोरंजन में या किसी काम में व्यस्त रखने की आपकी आदत, शायद आपके दिमाग को वह जरूरी श्डाउनटाइमश (आराम का समय) नहीं लेने दे रही है। हालांकि डिवाइस (उपकरणों) पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा देना ही इसका एकमात्र समाधान नहीं है। यह दिमाग के लिए बहुत थका देने वाला होता है। ईमेल का जवाब देने, व्हाट्सएप चेक करने और सोशल मीडिया रील्स देखने के बीच बार-बार स्विच करने से दिमाग को अपना ध्यान लगातार बदलना पड़ता है। इससे सोचने-समझने के लिए बहुत कम जगह बचती है।

ऊब और मानसिक थकान में होता है अंतर

न्यूरोलॉजिस्ट ने बताया, जब हम किसी बाहरी काम पर ध्यान देना बंद कर देते हैं, तो हमारा दिमाग पूरी तरह से बंद नहीं होता। इस दौरान डिफॉल्ट मोड नेटवर्क (कमनिसज उवकम दमजूवता) नाम का एक सिस्टम सक्रिय हो जाता है, जो यादों, आत्म-चिंतन और भविष्य के बारे में सोचने से जुड़ा होता है। इस तरह जब हम अपना ध्यान अंदर की ओर लगाते हैं, तो हमारा दिमाग अपने अनुभवों को प्रोसेस कर पाता है और उनके बीच संबंध बना पाता है। ऊब और मानसिक थकान को एक-दूसरे से नहीं मिलाना चाहिए, न्यूरोलॉजिस्ट ने इस बात पर जोर दिया कि इन दोनों के बीच का अंतर समझना जरूरी है। ऊब तब होती है जब हम किसी काम में पूरी तरह से नहीं लगे होते या हमें कोई गतिविधि दिलचस्प नहीं लगती। वहीं, मानसिक थकान तब महसूस होती है जब लंबे समय तक ध्यान लगाने, एक साथ कई काम करने (मल्टीटास्किंग), या बार-बार काम में रुकावट आने की वजह से हमारा दिमाग पूरी तरह थक जाता है।

खुद को इस तरह रखें खाली

बदलाव लाने के लिए आपको अपना स्मार्टफोन छोड़ने या कोई मुश्किल डिजिटल डिटॉक्स करने की जरूरत नहीं है। न्यूरोलॉजिस्ट ने इन बदलावों से शुरुआत करने की सलाह दी है जैसेरू तुरंत अपना फोन न उठाएं, अगली बार जब आप किसी लाइन में इंतजार कर रहे हों या अकेले बैठे हों, तो नोटिफिकेशन चेक करने की अपनी इच्छा को रोकें। कंप्यूटर स्क्रीन से सीधे अपने फोन पर जाने के बजाय, अपने लैपटॉप से थोड़ा दूर हट जाएं। कभी-कभी, बिना किसी संगीत, पॉडकास्ट या शोर-शराबे के अपने दिमाग को आजाद छोड़ दें। खाना खाते समय फोन स्क्रॉल न करें और बातचीत करते समय अपना पूरा ध्यान उसी पर लगाएं। रात में लगातार फोन स्क्रॉल करने से बचें और खुद को रिलैक्स होने के लिए समय दें।



कब्ज से परेशान? दूध में मिलाकर पी लें ये एक चीज, सुबह पेट रहेगा बिलकुल साफ!

कब्ज पेट से जुड़ी एक आम लेकिन परेशान करने वाली समस्या है। इसमें व्यक्ति को मल त्याग करने में कठिनाई होती है। कई बार मल इतना कड़ा हो जाता है कि घंटों टॉयलेट पर बैठे रहने के बाद भी पेट पूरी तरह साफ नहीं होता। अगर लंबे समय तक कब्ज बनी रहे, तो जोर लगाने से बवासीर जैसी गंभीर परेशानी भी हो सकती है। अगर आप भी कब्ज से परेशान हैं, तो चिंता छोड़िए! रसोई में मौजूद एक साधारण सी चीज को दूध में मिलाकर पीने से पेट सुबह-सुबह एकदम साफ हो जाएगा।

कब्ज से छुटकारा पाने का घरेलू उपाय दूध और घी का कमाल

दूध और घी का संयोजन कब्ज के लिए बेहद असरदार उपाय है।

कैसे करें इस्तेमाल

एक कप दूध को हल्का गर्म करें।

उसमें एक चम्मच देसी घी डालें।

रात को सोने से पहले इस मिश्रण को पी लें।

यह नेचुरल लैक्सेटिव की तरह काम करता है।

मल को मुलायम बनाता है और सुबह पेट को पूरी तरह साफ करता है।

गर्म नींबू पानी भी है असरदार

अगर आप सुबह नींबू पानी पीने की आदत डाल लें, तो कब्ज की समस्या धीरे-धीरे कम हो जाती है।

कैसे लें

एक गिलास गर्म पानी में आधा नींबू निचोड़ें और खाली पेट पिएं।

यह शरीर से टॉक्सिन्स निकालता है और हाइड्रेशन बनाए रखता है।

दही और अलसी के बीज का सेवन

एक कटोरी दही में एक चम्मच अलसी के बीज मिलाकर खाएं।

यह नेचुरल फाइबर का अच्छा स्रोत है।

मल में भारीपन लाता है और मलत्याग को आसान बनाता है।

कभी-कभी लें कैस्टर ऑयल

कैस्टर ऑयल एक पारंपरिक उपाय है जो मजबूत लैक्सेटिव की तरह काम करता है।

केवल कभी-कभी ही इसका सेवन करें (1 चम्मच)।

बार-बार पीने से शरीर की प्राकृतिक पाचन प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है।

यह जानकारी केवल सामान्य ज्ञान के लिए दी गई है। किसी भी तरह के इलाज की शुरुआत से पहले हमेशा अपने डॉक्टर या विशेषज्ञ से सलाह अवश्य लें।

अपर बॉडी है हैवी, ये सीक्रेट टिप्स दिलाएंगी परफेक्ट और बैलेंस लुक





हम सभी अक्सर सोचती हैं कि अगर हम मॉर्डन या डिजाइनर आउटफिट खरीदेंगे, तो इससे हमारा लुक काफी ज्यादा स्टनिंग नजर आएगा। लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं होता है। किसी भी आउटफिट में स्टाइलिश और ट्रेंडी दिखने के लिए जरूरी है कि सही कपड़ों को चयन किया जाए। ऐसे कपड़े जो न सिर्फ स्टाइलिश हों बल्कि आपकी बॉडी को बैलेंस्ड दिखाएं। वहीं ऐसे आउटफिट जो बॉडी की खामियों को छिपाकर आपकी खूबियों को हाइलाइट करें। अगर आपकी अपर बॉडी हैवी है, तो ऐसे आउटफिट्स पहनने पर विचार करें, जोकि आपकी लोअर बॉडी की तरफ सबका ध्यान खींचे। ऐसे आउटफिट कैरी करना चाहिए, जिससे बॉडी काफी हद तक बैलेंस्ड नजर आएगी। इसका मतलब यह बिल्कुल भी नहीं है कि आपको अपर वियर में बिल्कुल ही बोरिंग कपड़े पहनने हैं। बस जरूरत है कि आप सही कलर चुनने के साथ स्टाइल को भी चुनें और हर बार अपने लुक को खास और बैलेंस्ड बनाएं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे आउटफिट आइडियाज के बारे में बताने जा रहे हैं, जोकि अपर बॉडी पर काफी ज्यादा अच्छे लगेंगे।

ऐसा हो अपरवियर

अगर आपकी अपर बॉडी हैवी है तो आप कुर्तियां और टॉप्स पहन सकती हैं। लेकिन इन्हें आपको स्मार्टली चुनना चाहिए। प्रयास करें कि नेकलाइन वी नेक, स्कूप, स्वीटहार्ट या डीप राउंड नेक हो। क्योंकि यह बॉडी को लंबा दिखाते हैं और इस तरह से कंधे और बस्ट भी हल्के नजर आते हैं।

स्लीव्सम में आप 3/4 स्लीव्स से लेकर कोई भी हल्की फ्लेयर्ड स्लीव्स कैरी कर सकती हैं। आप स्लीव्स बहुत टाइट फिटिंग वाली नहीं पहननी चाहिए। अगर टॉप के कलर की बात की जाए, तो आप अपर वियर में डार्क कलर जैसे नेवी ब्लू, ब्लैक, वाइन या डार्क ग्रीन कैरी कर सकती हैं। यह आपको स्लिम लुक देंगे।

ऐसा हो लोअर वियर

अगर आपकी अपर बॉडी हैवी है, तो आपको ऐसे आउटफिट पहनने चाहिए। जिससे हर किसी का ध्यान आपकी अपर बॉडी पर नहीं बल्कि लोअर बॉडी पार्ट पर जाए। ऐसे में आप लोअर वियर फ्लेयर्ड स्कर्ट्स और ए-लाइन पहन सकती हैं। यह बॉडी के निचले हिस्से में वॉल्यूम बढ़ाकर ऊपरी हिस्से को बैलेंस करती हैं। इसके साथ ही आप वाइड लेग पैंट, प्लाजो और बूटकट जींस आदि पहनकर बॉडी को बैलेंस्ड लुक दे सकती हैं।

अपर बॉडी हैवी होने पर कभी भी स्किनी जीन्स और पेंसिल स्कर्ट्स नहीं पहनना चाहिए, क्योंकि इससे आपका निचला हिस्सा अधिक स्लिम दिखेगा। ऐसे में अपर बॉडी और भी हैवी महसूस होगी।

साड़ी को ऐसे करें स्टाइल

अगर आप भी उन महिलाओं में शामिल हैं, जिनको एथनिक वियर पहनना पसंद है, तो आप साड़ी पहन सकती हैं। साड़ी में जॉर्जेट, शिफॉन और क्रेप जैसे फैब्रिक चुनें। साड़ी को स्टाइल करते समय हैवी ब्लाउज पहनने से बचना चाहिए। कोशिश करें कि इस दौरान पल्लू लंबा और स्लिम प्लीट्स वाला हो। इससे आपकी अपर बॉडी स्लिम महसूस होती है।

जब पहनें कुर्ती सूट

अगर आप कुर्ती-सूट को अपने स्टाइल का हिस्सा बना रही हैं, तो आप हाई स्लिट, ए लाइन या फिर स्ट्रेट कुर्तियां पहन सकती हैं। प्रयास करें कि सूट की एंब्रायडरी नीचे हेमलाइन पर हो। इससे सबका ध्यान नीचे की तरफ ही जाएगा।

संक्षिप्त



दूसरी छमाही में रफ्तार बढ़ाकर लक्ष्य पा सकती है सरकार

सरकार चालू वित्त वर्ष में 26.97 लाख करोड़ रुपये के प्रत्यक्ष कर संग्रह के लक्ष्य को हासिल कर सकती है। विशेषज्ञों ने यह राय जताई है। विशेषज्ञों का कहना है कि इसके लिए वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में कर संग्रह की रफ्तार बढ़ानी होगी। विशेष रूप से कंपनियों से मिलने वाले कर और अग्रिम कर की किस्तों से संग्रह बढ़ना जरूरी होगा। चालू वित्त वर्ष में अब तक व्यक्तिगत आयकर, कॉरपोरेट कर और प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) सहित प्रत्यक्ष कर संग्रह की स्थिति संतोषजनक दिख रही है। 10 नवंबर तक बजट में तय लक्ष्य का करीब 53 प्रतिशत हासिल किया जा चुका है। चालू वित्त वर्ष में 10 नवंबर तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह करीब 14.42 लाख करोड़ रुपये रहा, जो बीते वित्त वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 11.76 प्रतिशत अधिक है। नांगिया एंड कंपनी एलएलपी के वरिष्ठ भागीदार अमित अग्रवाल ने कहा कि दिसंबर और मार्च में अग्रिम कर की किस्तों तथा वित्त वर्ष के अंत में होने वाले भुगतान से दूसरी छमाही में संग्रह को और गति मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कॉरपोरेट कर संग्रह इसकी वृद्धि का प्रमुख आधार बना रहेगा, जबकि गैर–कॉरपोरेट कर संग्रह अब तक अपेक्षाकृत धीमा रहा है। कॉरपोरेट कंपनियों के बेहतर मुनाफे और अर्थव्यवस्था में लगातार बनी मजबूती को दर्शाते हुए शुद्ध कॉरपोरेट कर संग्रह चालू वित्त वर्ष में 10 नवंबर तक 18 प्रतिशत बढ़कर 6.32 लाख करोड़ रुपये हो गया। हालांकि, व्यक्तियों, कंपनियों और हिंदू अविभाजित परिवारों (एचयूएफ) से मिलने वाला गैर–कॉरपोरेट कर संग्रह सुस्त रहा। इस दौरान यह 5.3 प्रतिशत बढ़कर करीब 7.56 लाख करोड़ रुपये रहा।

आंध्र प्रदेश में सिर्फ कारखाने न लगाएं, अपने मुख्यालय भी लाएं : सीआईआई सम्मेलन में बोले नारा लोकेश

विशाखापत्तनम। आंध्र प्रदेश सरकार ने कंपनियों से राज्य में निवेश करने, कारखाने लगाने और अपने मुख्यालय यहां स्थानांतरित करने का बृहस्पतिवार को आग्रह किया। यहां सीआईआई साझेदारी सम्मेलन को संबोधित करते हुए आंध्र प्रदेश के सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार और मानव संसाधन विकास मंत्री नारा लोकेश ने कहा कि खूबसूरत समुद्र तट, बेहतर संपर्क सुविधाएं और प्रतिभाशाली लोग कुछ ऐसे कारण हैं.. जिनकी वजह से कंपनियों को अपने कार्यालय इस राज्य में स्थानांतरित करने चाहिए। लोकेश ने कहा, ''सिर्फ कारखाने ही न लगाएं, अपने मुख्यालय भी यहां ले आएं... मेरा आग्रह है कि यहां निवेश करें और यहीं नवाचार करें... हमारे दरवाजे आपके लिए हमेशा खुले हैं।'' उन्होंने बताया कि एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स और गूगल सहित कई बड़ी कंपनियां राज्य में निवेश कर रही हैं। लोकेश ने कहा कि आंध्र प्रदेश का '3एस' मंत्र यानी गति (स्पीड), स्थिरता (स्टेबिलिटी) तथा सेवाएं (सर्विसेज) राज्य में घरेलू और वैश्विक कंपनियों को निवेश के लिए आकर्षित करने का प्रमुख कारण है। उन्होंने कहा, ''एक बार जब हम किसी कंपनी से हाथ मिला लेते हैं, तो वह हमारी परियोजना बन जाती है।'' मंत्री ने कहा, ''हम उद्योग जगत को इंतजार नहीं कराते और यह सुनिश्चित करते हैं कि वाणिज्यिक उत्पादन शुरू हो।'' उन्होंने कहा, ''इस सम्मेलन में हम व्यापार, प्रौद्योगिकी और भरोसे की बात कर रहे हैं। आंध्र प्रदेश में हम इन तीनों को ठोस रूप देना चाहते हैं और इन्हें निवेश, साझेदारियों तथा अवसरों में बदलना चाहते हैं।'' लोकेश ने कहा कि आंध्र प्रदेश में 1,000 किलोमीटर से अधिक लंबा समुद्र तट है। विशाखापत्तनम एक प्रमुख बंदरगाह है। राज्य के अन्य बंदरगाहों के साथ यह बंदरगाह भी फिलहाल सालाना करीब 10 करोड़ टन माल का संचालन करता है। उन्होंने कहा, ''रामायपट्टनम, मुलापेटा, मछलीपट्टनम और काकीनाडा में चार नए बंदरगाहों का निर्माण जारी है। इनके शुरू होने से हमारी माल ढुलाई क्षमता दोगुनी होने वाली है।'' राज्य में उपलब्ध निवेश अवसरों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, ''मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि जून 2024 से आंध्र प्रदेश को 22.6 लाख करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धताएं मिली हैं.. . इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि इनमें से 73 प्रतिशत प्रतिबद्धताएं मंजूर परियोजनाओं में बदल चुकी हैं। इन परियोजनाओं का मूल्य 17.2 लाख करोड़ रुपये है और इनसे 12.7 लाख लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है।''

भारत की आर्थिक तरक्की को राममोहन नायडू ने बताया 'मोदिनॉमिक्स' का नतीजा

केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने बृहस्पतिवार को पिछले 12 वर्षों से अधिक समय में भारत की वृद्धि को ''मोदिनॉमिक्स'' से प्रेरित बताते हुए कहा कि देश आज अपनी आर्थिक यात्रा के निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में आयोजित दो दिवसीय सीआईआई साझेदारी सम्मेलन के 31वें संस्करण के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए नायडू ने कहा कि दुनिया को देशों के बीच भरोसे, सरकारों और उद्योगों के बीच विश्वास तथा ऐसे नेतृत्व की जरूरत है, जो अनिश्चितता को अवसर में बदल सके। नायडू ने कहा, ''आज भारत अपनी आर्थिक यात्रा के निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी, तेजी से बढ़ते डिजिटल परिवेश और विनिर्माण, प्रौद्योगिकी तथा नवाचार के क्षेत्र में बढ़ती क्षमताओं के साथ भारत एक वैश्विक ताकत के रूप में उभर रहा है।'' उन्होंने आज भारत में दिख रहे आत्मविश्वास का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ''मजबूत और निर्णायक'' नेतृत्व को दिया। नायडू ने कहा, ''आज दुनिया भारत की बात कर रही है और उसकी आर्थिक वृद्धि, मजबूती तथा बढ़ते वैश्विक आत्मविश्वास को पहचान रही है। यहां मैं जिस शब्द का इस्तेमाल करना चाहता हूं, वह है 'मोदिनॉमिक्स' (मोदी+इक्नॉमिक्स)। दुनिया ने अर्थशास्त्र देखा है, लेकिन भारत में आज इस वृद्धि के जरिये जो दिख रहा है, वह मोदिनॉमिक्स है।'' उन्होंने कहा कि इन चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद मोदी ने देश को आत्मविश्वास, प्रतिबद्धता और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ाया है। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री ने कहा, ''उनका विकसित भारत (2047) का दृष्टिकोण हम सभी के लिए केवल एक आर्थिक लक्ष्य नहीं है।

अनुष्का शर्मा बनीं भारत ए टीम की कप्तान, मिन्नू मणि संभालेंगी मल्टी डे मैचों की कमान

इंग्लैंड ए की महिला टीम के भारत दौरे के लिए बीसीसीआई ने इंडिया ए की तीनों टीमों का ऐलान कर दिया है। टी20 और एकदिवसीय मुकाबलों में अनुष्का शर्मा भारतीय टीम की कप्तानी करेंगी, जबकि कई दिनों के मैच के लिए मिन्नू मणि को कप्तान बनाया गया है। इस दौरे पर भारत की युवा और उभरती खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के मुकाबलों से पहले अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। ऑफ स्पिन गेंदबाजी करने वाली ऑलराउंडर श्रेयंका पाटिल को तीनों टीमों में जगह मिली है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारतीय टीम में उन्हें शामिल नहीं किया गया था। वहीं, अमनजोत कौर भी टी20 टीम का हिस्सा होंगी। चोट के कारण लंबे समय तक मैदान से दूर रहने के बाद उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 टीम में वापसी की थी। भारत और इंग्लैंड ए के बीच सीरीज की शुरुआत 30 नवंबर से पुणे में होने वाले 3 टी20 मुकाबलों के साथ होगी। इसके बाद 8 दिसंबर से 3 एकदिवसीय मैच खेले जाएंगे। दौरे का आखिरी मुकाबला 19 दिसंबर से मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में शुरू होगा। यह 4 दिन का एकमात्र मैच होगा। 23 साल की अनुष्का शर्मा इस साल पहले भी इंग्लैंड ए और ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ इंडिया ए की टी20 टीम की कप्तानी कर चुकी हैं। सीमित ओवरों की दोनों टीमों में मिन्नू मणि को उपकप्तान बनाया गया है। वहीं, कई दिनों के मुकाबले में तेजल हसबनिस उपकप्तान की जिम्मेदारी संभालेंगी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 26 दिसंबर से शुरू होने वाली टी20 सीरीज के लिए चुनी गई जी कमलिनी और निकी प्रसाद को भी इंडिया ए की टी20 और एकदिवसीय टीम में जगह मिली है। तेज गेंदबाज काश्वी गौतम को भी दोनों टीमों में शामिल किया गया है। उन्होंने आखिरी बार



अप्रैल 2026 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 मुकाबले खेले थे। बाएं हाथ की स्पिनर वैष्णवी शर्मा को भी एकदिवसीय टीम के साथ टी20 टीम में मौका मिला है। हाल ही में महिला प्रीमियर लीग 2027 की नीलामी में मुंबई इंडियंस ने सनिका चालके को खरीदा था। उन्हें इंडिया ए की टी20 टीम में जगह दी गई है। वृंदा दिनेश भी टीम में शामिल हैं। उन्होंने महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स प्रतियोगिता और इस साल इंडिया ए के लिए अच्छा प्रदर्शन किया था। ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ एकमात्र अनौपचारिक टेस्ट में 46 और 59 रन बनाने वाली प्रिया पुनिया को एकदिवसीय और कई दिनों के मुकाबले की टीम में बरकरार रखा गया है। उनकी साथी बल्लेबाज शुभा सतीश को भी कई दिनों के मैच के लिए चुना गया है। शुभा भारत के लिए 2 टेस्ट मैच खेल चुकी हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज उमा छेत्री को भी इस टीम में जगह मिली है। कई दिनों के मैच की टीम में आंध्र प्रदेश की हेनरिएटा परेरा, गोवा की पूर्वजा वेरलेकर, उत्तराखंड की बाएं हाथ की स्पिनर अमीषा बहुकांडी और राजस्थान की मध्यम गति की गेंदबाज हैप्पी कुमारी भी शामिल हैं। टी20 टीम में वृंदा दिनेश, तनिषा सिंह, सनिका चालके, अनुष्का शर्मा (कप्तान), निकी प्रसाद, जी कमलिनी, शिप्रा गिरी, मिन्नू मणि, अमनजोत कौर, श्रेयंका पाटिल, वैष्णवी शर्मा, प्रेमा रावत, साइमा ठाकोर, मोनिका पटेल और काश्वी गौतम हैं।

एकदिवसीय टीम में वृंदा दिनेश, तनिषा सिंह, प्रिया पुनिया, अनुष्का शर्मा (कप्तान), निकी प्रसाद, जी कमलिनी, शिप्रा गिरी, मिन्नू मणि, तेजल हसबनिस, श्रेयंका पाटिल, अमीषा बहुकांडी, शबनम शकील, साइमा ठाकोर, अक्षिता भगत और काश्वी गौतम को चुना गया है।

कई दिनों के मुकाबले के लिए शुभा सतीश, प्रिया पुनिया, तनिषा सिंह, पूर्वजा वेरलेकर, हेनरिएटा परेरा, तेजल हसबनिस, शिप्रा गिरी, उमा छेत्री, मिन्नू मणि (कप्तान), श्रेयंका पाटिल, साइमा ठाकोर, अक्षिता भगत, अमीषा बहुकांडी, हैप्पी कुमारी और शबनम शकील को टीम में शामिल किया गया है। इस सीरीज में युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर चयनकर्ताओं की नजर रहने वाली है।

21 छक्के...7 चौके...202 रन...!: न्यूजीलैंड के बेवोन जैकब्स ने मचाया कोहराम, टूटने से बचा कौन सा विश्व रिकॉर्ड?

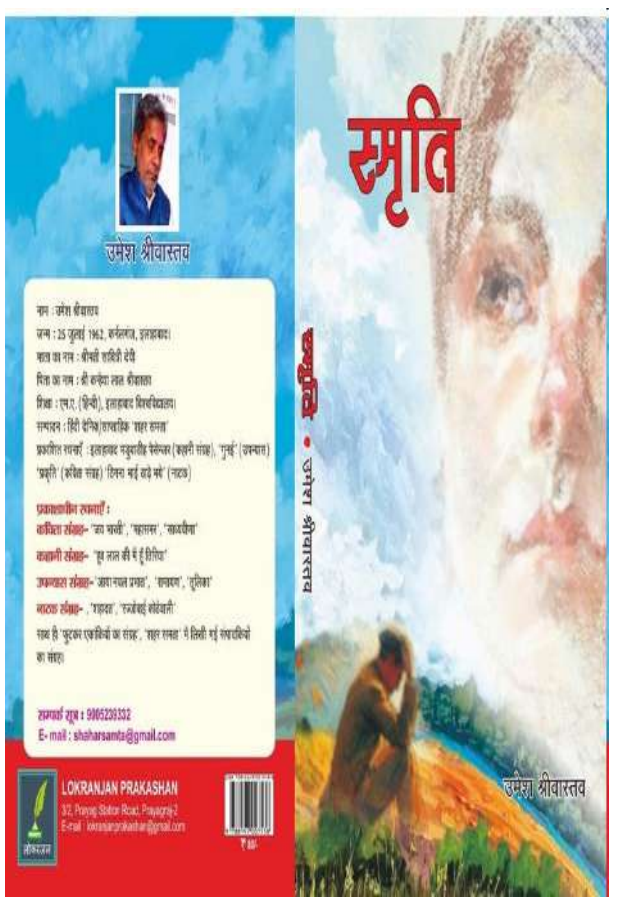
ऑकलैंड। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज बेवोन जैकब्स ने घरेलू क्रिकेट में अपनी तूफानी बल्लेबाजी से तहलका मचा दिया है। भारत के खिलाफ हालिया टी20 सीरीज में खेलने वाले जैकब्स ने फोर्ड ट्रॉफी में ऑकलैंड की ओर से ओटागो के खिलाफ नाबाद दोहरा शतक जड़ दिया। उन्होंने 137 गेंदों पर 202 रन बनाए। उनकी इस पारी में 21 छक्के और सात चौके शामिल रहे। इस दौरान वह लिस्ट–ए क्रिकेट में सर्वाधिक छक्के लगाने के विश्व रिकॉर्ड को तोड़ने से महज दो छक्के दूर रह गए। 12 नवंबर (गुरुवार) को ऑकलैंड के ईडन पार्क आउट ओवल में खेले गए मुकाबले में बेवोन जैकब्स चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे। उन्होंने पहले अपना पहला लिस्ट–ए शतक पूरा किया और फिर उसे दोहरे शतक में तब्दील कर दिया। 21 छक्कों की मदद से उन्होंने न्यूजीलैंड के किसी बल्लेबाज की ओर से एक लिस्ट–ए पारी में सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

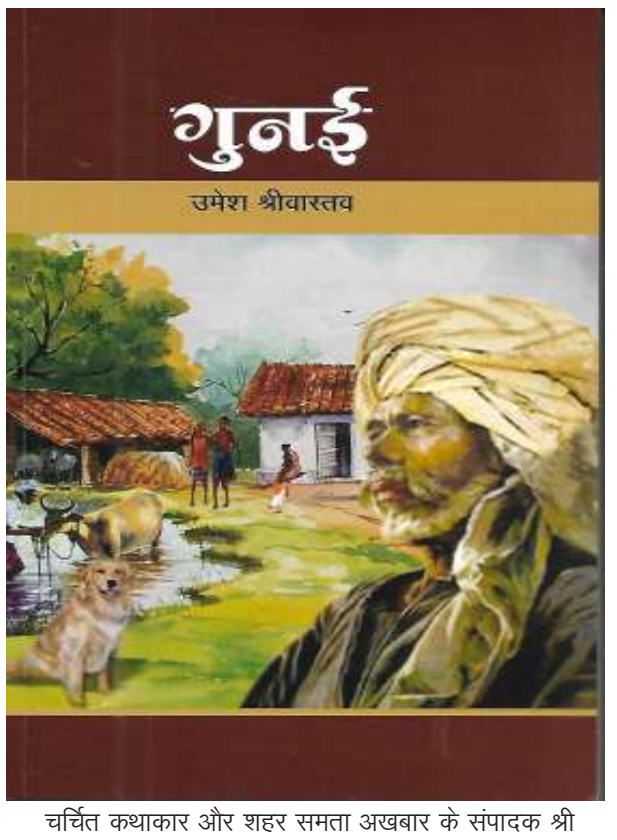
विश्व रिकॉर्ड तोड़ने से दो छक्के दूर रह गए जैकब्स

बेवोन जैकब्स लिस्ट–ए क्रिकेट की एक पारी में सर्वाधिक छक्के लगाने के विश्व रिकॉर्ड से भी सिर्फ दो छक्के पीछे रह गए। यह रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के डार्सी शॉर्ट के नाम है। उन्होंने 2018 में वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया की ओर से खेलते हुए क्वींसलैंड के खिलाफ 257 रन की पारी में 23 छक्के लगाए थे। जैकब्स अब लिस्ट–ए क्रिकेट में दोहरा शतक लगाने वाले न्यूजीलैंड के चौथे बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले जेमी हाउ ने 2012, मार्टिन गुप्टिल ने 2015 और चौड बोवेस ने 2024 में यह उपलब्धि हासिल की थी। इस उपलब्धि के साथ बेवोन जैकब्स ने लिस्ट–ए की एक पारी में सर्वाधिक छक्के लगाने के मामले में गेरी स्नाइमन और इयोन मॉर्गन को पीछे छोड़ दिया। इन दोनों बल्लेबाजों ने लिस्ट–ए की एक पारी में 17–17 छक्के लगाए थे। जैकब्स का यह फोर्ड ट्रॉफी में तीसरा दोहरा शतक था। उनसे पहले जेमी

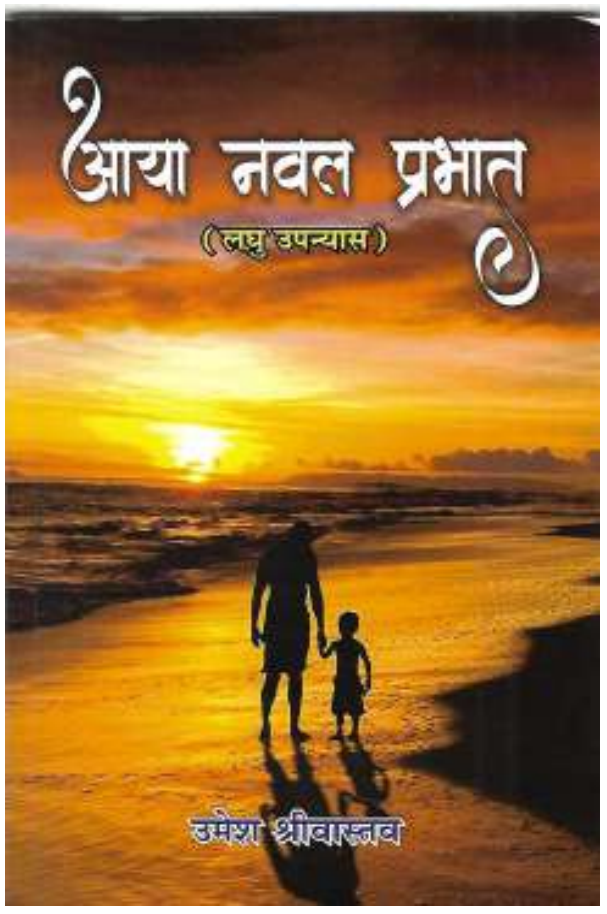


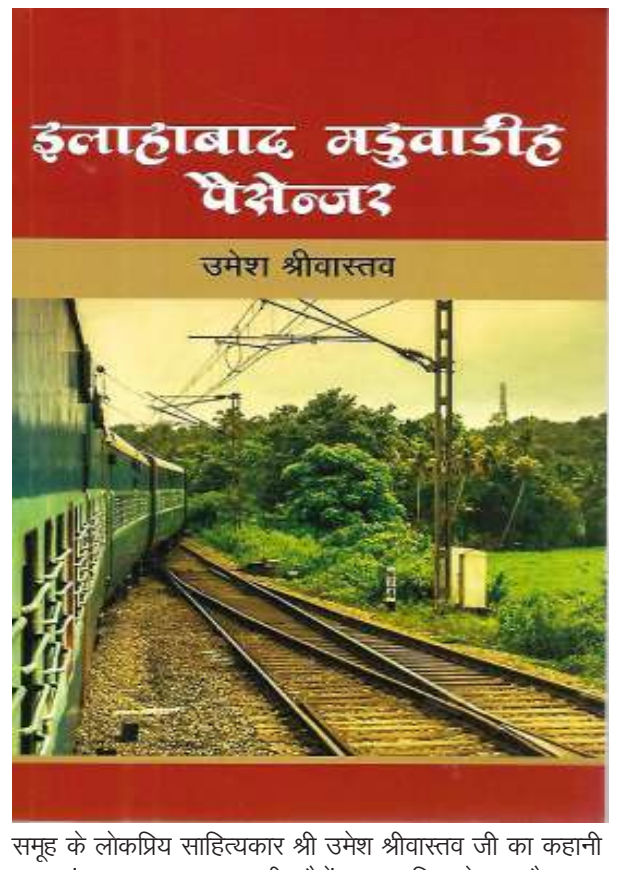
हाउ (222 रन) और चौड बोवेस (205 रन) यह उपलब्धि हासिल कर चुके थे। वहीं, न्यूजीलैंड के किसी बल्लेबाज का यह लिस्ट–ए क्रिकेट में पांचवां सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है। इस सूची में मार्टिन गुप्टिल 237′ रन और अमेलिया केर 232′ रन के साथ पहले दो स्थानों पर हैं। आईपीएल में मुंबई इंडियंस का हिस्सा रह चुके हैं जैकब्स बेवोन जैकब्स का आईपीएल से भी नाता रहा है। आईपीएल 2024 के दौरान पांच बार की चौंपियन मुंबई इंडियंस ने उन्हें अपनी टीम में शामिल किया था।



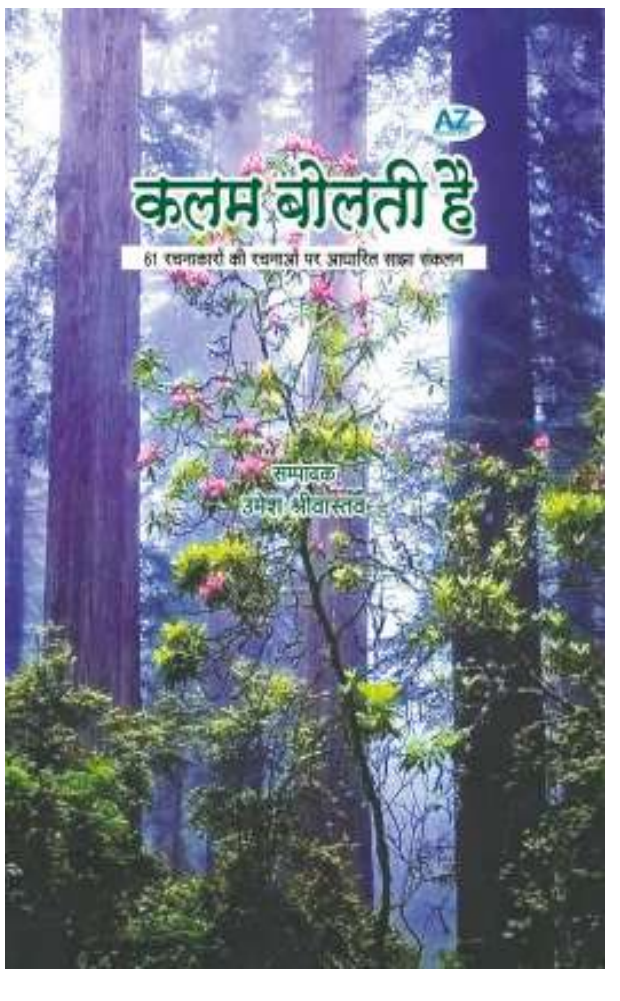


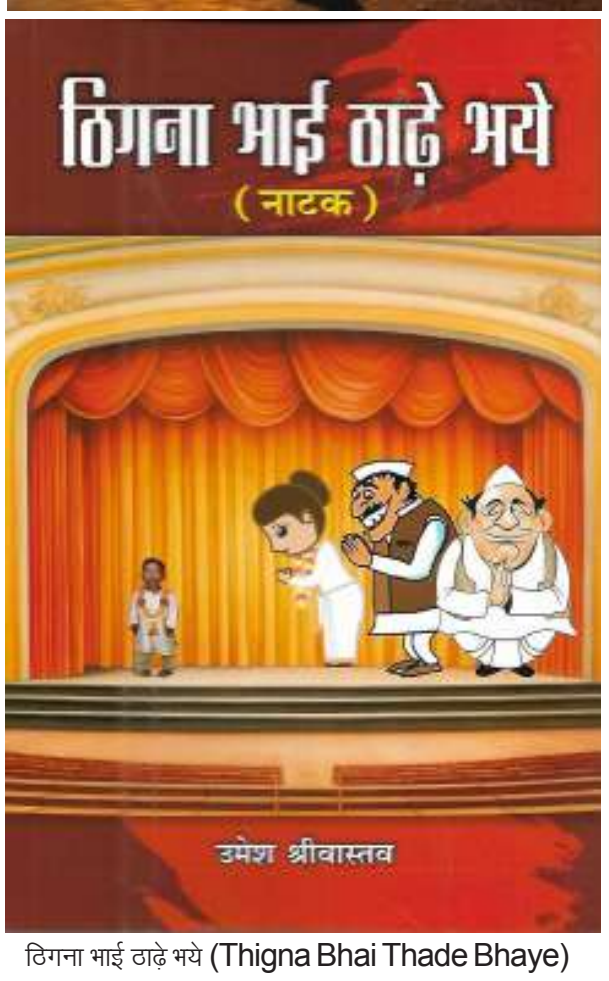
चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित





समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।





ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

पीएम की कुर्सी खिसकते ही नेतन्याहू ने नई जंग छेड़ दी, गाजा के अस्पताल में दागी बड़ी मिसाइलें

इजरायल में चुनाव के बाद जो सियासी उठा–पटक चल रही है तो उसके बीच वहां की सेना ने एक बार फिर गाजा पर एयर स्ट्राइक कर दी। खबर है इस हमले की चपेट में आने से तीन लोगों की कई लोगों की मौत हो गई कई लोग घायल हो गए। हालांकि इजरायल की तरफ से इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई कि हमला क्यों किया गया निशाना किसे बनाया गया। लेकिन गाजा में मिसाइल धमाका हुआ तो वहां कोहराम मच गया लोग देहशत में आ गए। जिस इलाके में मिसाइल गिरी वहां तो चीख पुकार मच गई। इजरायल की तरफ से



दागी गई मिसाइल बिजली की रफ्तार से पहूंची। गाजा के खान यूनिस स्थित नासिर अस्पताल पर गुरुवार (12 नवंबर) तड़के हुए एक इजरायली हवाई हमले में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। स्थानीय रिपोर्टों के हवाले से यह जानकारी सामने आई है। इजरायल रक्षा बल (प्ब्थ्) ने हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि उन्होंने हवाई हमले के जरिए हमास के एक वरिष्ठ आतंकी और उसके अन्य साथियों को निशाना बनाया, जो अस्पताल के भीतर छिपे हुए थे। आईडीएफ के बयान के अनुसार, आम नागरिकों को होने वाले नुकसान की आशंका को कम करने के लिए हमले से पहले और दौरान सटीक हथियारों तथा हवाई निगरानी जैसे जरूरी कदम उठाए गए थे। वहीं, फिलिस्तीनी समाचार एजेंसी श्वाफाश ँ।थ।) ने स्थानीय सूत्रों के हवाले से बताया कि यह हवाई हमला अस्पताल की दूसरी मंजिल पर हुआ, जिससे सर्जरी विभाग के कुछ हिस्सों को नुकसान पहुंचा है। पत्रकार खालिद शाथ द्वारा कैद किए गए घटनास्थल के फुटेज के मुताबिक, हमले से अस्पताल के अंदरूनी हिस्से में भारी तबाही हुई है।

खैबर पख्तूनख्वा के पुलिस स्टेशन पर फिदायीन हमला टला, जवानों की जवाबी फायरिंग से भागे हमलावर

पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बृहस्पतिवार तड़के सुरक्षा बलों ने एक पुलिस थाने पर आत्मघाती हमला नाकाम कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हमलावरों ने देर रात एक बजकर 44 मिनट पर डेरा इस्माइल खान जिले के बंदकोराई पुलिस थाने के मुख्य द्वार पर विस्फोटकों से भरी गाड़ी टकरा दी, जिससे जोरदार विस्फोट हुआ। विस्फोट से थाने का मुख्य द्वार नष्ट हो गया और चारदीवारी का एक हिस्सा ढह गया। पास की एक मस्जिद भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि आसपास के कई मकानों को नुकसान पहुंचा। इससे इलाके में भय और दहशत फैल गई। थाने के अंदर तैनात पुलिसकर्मियों ने तत्काल जवाबी कार्रवाई की, जिससे हमलावर परिसर में दाखिल नहीं हो सके और उन्हें वहां से भागना पड़ा। अधिकारियों के मुताबिक, हमले में कोई पुलिसकर्मी घायल नहीं हुआ है। हमलावरों के बारे में अभी जानकारी नहीं मिल पाई है। घटना के सीसीटीवी फुटेज में विस्फोट का समय और उससे जुड़ी घटनाएं दिखाई दीं। हमले के बाद अतिरिक्त पुलिसकर्मी और सुरक्षा बल मौके पर पहुंचे। उन्होंने इलाके की घेराबंदी कर फरार हमलावरों का पता लगाने और उन्हें पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया।

चंपेजंद में बड़ा आतंकी हमला, 11 पुलिसकर्मियों की गई जान

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनवा से इस वक्त सनसनीखेज खबर सामने आ रही है। 11 नवंबर को कोहार जिले में आतंकियों ने पाकिस्तानी पुलिस टीम के ऊपर एक बड़ा और सुनियोजित हमला किया। इस खूनी हमले में एक डीएसपी और सब इंस्पेक्टर समेत 11 पुलिसकर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि 12 से ज्यादा जवान गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। आतंकियों ने ना केवल अंधाधुंध गोलियां बरसाई बल्कि पुलिस की पांच गाड़ियों को भी आग के हवाले कर दिया। जानकारी के मुताबिक कोहार जिले के गुंबद इलाके की पुलिस टीम अवैध सोने की खदानों के खिलाफ एक बड़े ऑपरेशन पर निकली थी। लेकिन दरबोकाच जालंधर बांदा के पास पहाड़ियों में पहले से घात लगाकर बैठे इन आतंकियों ने पुलिस के काफिलों को चारों तरफ से घेर लिया। जैसे ही पुलिस की गाड़ियां सक्रिय रास्ते पर पहुंची, वहां पर ऊंचाई पर मौजूद हमलावरों ने ऑटोमेटिक हथियारों से अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुए इस हमले से पुलिसकर्मियों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। कुहा पुलिस के प्रवक्ता मोहम्मद नोमान जेब के मुताबिक मरने वालों में गुंबद के डीएसपी हैदर जमान और सब इंस्पेक्टर मुख्तियार शामिल है। हमले के बाद आतंकियों ने पांच पुलिस वालों की मोबाइल वैन को आग लगा दी। अस्पताल में इमरजेंसी घोषित कर दी गई और कई जवानों की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है।

गोद में बच्चा और हाथ में थामी रायफल, महिलाओं को गजब की खतरनाक ट्रेनिंग दे रहा ईरान, हर सूरत में लड़ने–भिड़ने को तैयार!



ईरान ने खौफनाक कदम उठाया है जिसकी चर्चा पूरी दुनिया में होने लगी। दरअसल तेहरान ने अब महिलाओं की ब्रिगेड उतार दी है। अमेरिका के साथ बढ़ते भयंकर कूटनीतिक तनाव और संभावित अमेरिकी जमीनी हमले की आशंका के बीच ईरान ने अपना रक्षा रणनीति एकदम से बदल दिया है। जिसने वाशिंगटन से लेकर पेंटागन तक का ध्यान अपनी ओर खींचा है। राजधानी तेहरान के ऐतिहासिक आजादी स्क्वायर पर ईरानी महिलाओं के लिए एक विशेष और विशाल सैन्य प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत की गई। इस शिविर में ईरान की महिलाएं सिर्फ किताबी बातें नहीं सीख रही बल्कि हाथों में असॉल्ट राइफलें थामकर मुश्किल हालात में दुश्मन के दांत खट्टे करने और देश की सरजमी की रक्षा करने के कड़े गुण सीख रही हैं। तेहरान के इस स्पेशल ट्रेनिंग सेंटर से सोशल मीडिया पर सामने आई तस्वीरों और वीडियो ने पूरी दुनिया को हैरत में डाल दिया है। वीडियो में हिजाब और नकाब में लिपटी महिलाएं असॉल्ट राइफलों से सटीक निशाना लगाने का अभ्यास कर रही हैं। कोई महिला ऊंची–ऊंची कंक्रीट की दीवारों को लांग कर आगे बढ़ रही है तो कोई जिप लाइन के सहारे हवा में तैरते हुए एक इमारत से दूसरी इमारत तक पहुंचने की कमांडो ट्रेनिंग ले रही है। इस ट्रेनिंग शिविर की सबसे हैरान कर देने वाली बात तो यह है कि इसमें सिर्फ कम उम्र की युवा लड़कियां ही शामिल नहीं बल्कि कई माएं अपने छोटे बच्चों को साथ लेकर इस बारूदी मैदान में उतरी हैं और युद्ध का अभ्यास कर रही हैं। आखिर तेहरान ने अचानक अपनी महिलाओं को सैन्य मोर्चे पर उतारने की रणनीति क्यों अपनाई है? अंतरराष्ट्रीय मीडिया आउटलेट अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक ईरानी सैन्य अधिकारियों ने साफ किया है कि इस स्पेशल ट्रेनिंग का मुख्य मकसद महिलाओं को संभावित अमेरिकी जमीनी हमले की स्थिति के लिए सीधे तौर पर तैयार करना है। हथियार चलाने और गोरिल्ला युद्ध के अलावा इन महिलाओं को आपातकालीन राहत कार्य, प्राथमिक चिकित्सा और युद्ध के दौरान मोर्चे पर आवश्यक रसद और जरूरी सामान पहुंचाने जैसे रणनीतिक कामों की भी गहन जानकारी दी जा रही है। ईरान में महिलाओं को रक्षा गतिविधियों से जोड़ने का यह कदम एक बड़े राष्ट्रव्यापी अभियान का हिस्सा बन चुका है। जिसके जरिए तेहरान यह संदेश देना चाहता है कि इस संकट की घड़ी में देश का बच्चा–बच्चा और महिला अपने वतन की ढाल बनने के लिए तैयार हैं। इससे पहले भी ईरान में महिलाओं में ऐसे कई बड़े सैन्य और राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन देखे जा चुके हैं। ईरानी सरकारी मीडिया प्रेस टीवी के मुताबिक इस साल की शुरुआत में यह हजारों महिलाओं और युवतियों ने ईरान के प्रति समर्पित बेटियां नाम से आयोजित एक विशाल रैली में हिस्सा लिया था। उस दौरान पूरे तेहरान में अमेरिका और इसराइल के खिलाफ आक्रामक नारेबाजी हुई थी। रैली में शामिल हजारों महिलाओं ने देश के नए सर्वोच्च नेता के प्रति अपनी अटूट निष्ठा जताते हुए कसम खाई है कि अगर अमेरिका या इसराइल ने ईरान पर बुरी नजर डाली तो वे हाथ में हथियार उठाकर देश की रक्षा करेंगी। एक तरफ तेहरान की सड़कों पर महिलाओं की अब बारूदी ट्रेनिंग तो दूसरी तरफ वाशिंगटन के साथ जारी कूटनीतिक गतिरोध पूरी तरीके से ठप पड़ चुका है। ईरान के वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी मोहसिन रजाई ने मंगलवार को बेहद कड़ा बयान देते हुए साफ किया कि फिलहाल ईरान और अमेरिका के बीच किसी भी स्तर पर कोई बातचीत या वार्ता नहीं है। रिजाई ने कहा कि अमेरिका को जून में प्रस्तावित किए गए अंतरिम समझौते की सात प्रमुख शर्तों पर अपना रुख स्पष्ट करना होगा। अगर अमेरिका इस पर तैयार हुआ तो बातचीत आगे बढ़ेगी। नहीं तो फिर जंग के लिए ईरान हमेशा तैयार है। एक तरफ जहां ईरान स्टेट ऑफ हुर्मस पर तय रास्तों की खिलाफवर्जी करने वाले जहाजों को धड़ाधड़ उड़ा रहा है। साथ ही एक अमेरिकी नेविगेशन सेंटर भी फूंक डाला है समंदर के बीच में। दूसरी तरफ ईरान में सुप्रीम सिक्योरिटी काउंसिल के सेक्रेटरी और सुप्रीम लीडर मुस्तबा खामने के करीबी जनरल मोहसिन रिजाई ने अमेरिका को सीधा अल्टीमेटम दे दिया है। जनरल मोहसिन रिजाई ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखे अपने पोस्ट में कहा कि अमेरिका अब तुम्हारे लिए ईरान की सात शर्तों के सामने सरेंडर करने का वक्त आ गया है। उन्होंने कहा कि ईरान के खिलाफ जंग से अमेरिका की सरकार को बड़ा झटका लगा है। इसके बाद भी एक मायूस जुवारी की तरह अमेरिका जद्दोजहद कर रहा है। हाथ पैर मार रहा है। ईरानी जनरल का यह बयान ऐसे वक्त में आया है जब अमेरिकी प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान के खिलाफ जंग को खत्म करने की दिशा में सकारात्मक पेशरफ्त नजर आती है।

क्रूड ऑयल के दाम घटने से संभला बाजार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय इक्विटी में डाले 60,000 करोड़



प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पीके मिश्रा ने देश में विदेशी संस्थागत निवेशकों (FIIs) की अचानक वापसी पर कहा कि भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि घरेलू इक्विटी बाजारों में और अधिक विदेशी निवेशकों को आकर्षित कर रही है। ।छप् के साथ एक विशेष बातचीत में, मिश्रा ने कहा कि विदेशी निवेशक हमेशा से भारतीय बाजारों में मौजूद रहे हैं और उनके निवेश के फैसले काफी हद तक अलग–अलग बाजारों में मिलने वाले मुनाफे के अवसरों पर निर्भर करते हैं। मिश्रा ने कहा, ष्शेयर बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। वे (थ्प्ै) हमेशा से भारत आते रहे हैं। शेयर बाजार अलग–अलग तरह की स्थितियों पर निर्भर करता है। जहाँ भी उन्हें ज्यादा मुनाफा दिखता है, वे वहीं चले जाते हैं। इसमें कुछ भी बहुत नाटकीय नहीं है। ऐसा नहीं है कि वे अभी जा रहे हैं और वापस आ रहे हैं। वे हमेशा से यहाँ थे और अब हमारी तेज आर्थिक वृद्धि के कारण और भी निवेशक यहाँ आ रहे हैं। उनके ये बयान ऐसे समय में आए हैं जब विदेशी निवेशकों ने नवंबर में अब तक भारतीय इक्विटी में 60,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। इससे पहले सितंबर और अक्टूबर में उन्होंने भारी बिकवाली की थी। हालांकि, भारतीय बाजारों से विदेशी निवेशकों की कुल बिकवाली अब भी लगभग 2,34,447 करोड़ रुपये है। पिछले दो महीनों में लगातार पूंजी बाहर जाने के बाद, हाल ही में हुई यह खरीदारी विदेशी निवेशकों के रुख में एक बदलाव को दर्शाती है। मिश्रा ने कहा कि विदेशी पूंजी की इस आवाजाही को भारत के प्रति निवेशकों की सोच में आए किसी बड़े बदलाव के तौर पर नहीं, बल्कि बदलती निवेश के मौकों के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। इससे पहले, बैंकिंग और बाजार विशेषज्ञ अजय बग्गा ने ।छप् को बताया कि पिछले दो वर्षों में 70 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की विदेशी पूंजी बाहर जाने के कारण, कई वैश्विक संस्थागत निवेशकों के लिए भारत एक ऐसा बाजार बन गया था, जहां निवेश बहुत कम था। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुई खरीदारी विदेशी निवेश की स्थिति के सामान्य होने का संकेत है, क्योंकि वैश्विक निवेशक अब भारतीय इक्विटी में अपना निवेश बढ़ाना शुरू कर रहे हैं। विदेशी निवेशकों की वापसी का एक और अहम कारण ईरान विवाद के आंशिक रूप से सुलझने के बाद कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट है। बग्गा ने कहा कि इस नाजुक शांति के कारण कच्चे तेल की कीमतें कम हुई हैं, जिससे भारत के महंगाई के अनुमान, चालू खाता घाटे और मुद्रा को राहत मिली है। कच्चे तेल की कीमतों में यह गिरावट भारत के लिए एक महत्वपूर्ण कारक है, क्योंकि इससे देश की बाहरी और महंगाई से जुड़ी चिंताओं में राहत मिलती है, साथ ही निवेश का माहौल भी बेहतर होता है।



बम विस्फोट, नाकाबंदी, आगजनी...शेख हसीना की वापसी से पहले बांग्लादेश में माहौल खराब, विरोध ने लिया हिंसक रुप

सड़कों पर देसी बम फट रहे हैं, बसें आग की लपटों में घिर रही हैं, राजमार्ग अवरुद्ध हैं और प्रदर्शनकारी पुलिस से भिड़ रहे हैं। बांग्लादेश में ढाका, गाजीपुर, गोपालगंज, शरियतपुर और अन्य जिलों में एक बार फिर हिंसा भड़क उठी है। सुरक्षा बलों ने सैकड़ों गिरफ्तारियां की हैं। इस अशांति के पीछे बांग्लादेशी अधिकारियों को एक जानी–पहचानी ताकत, अवामी लीग और अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना का हाथ नजर आ रहा है। यह हिंसा भारत में निर्वासन से बांग्लादेश लौटने से ठीक एक महीने पहले हुई है, जिससे देश में और अधिक हिंसा भड़कने की आशंका बढ़ गई है। देश अभी भी उन घातक प्रदर्शनों से उबर रहा है जिनके कारण अगस्त 2024 में उन्हें सत्ता से बेदखल होना पड़ा था। ताजा घटना गुरुवार (12 नवंबर) की सुबह सामने आई, जब कुश्तिया से आरक्षित महिला सीट से एनसीपी सांसद नुसरत तबस्सुम के घर पर आधी रात के आसपास अवामी लीग कार्यकर्ताओं द्वारा कथित तौर पर पेट्रोल बम फेंके जाने के बाद आग लगा दी गई। एक दिन पहले, बुधवार (11 नवंबर) को, ढाका में दो बसों और एक ट्रक को आग लगा दी गई, जबकि पबना सदर में ग्रामीण बैंक की एक शाखा को जला दिया गया, जैसा कि द डेली स्टार ने बताया। ढाका स्थित अखबार द बिजनेस स्टैंडर्ड के अनुसार, ये घटनाएं 9 और 10 नवंबर को पूरे बांग्लादेश में आगजनी और कच्चे बम विस्फोटों की कम से कम 22 घटनाओं के बाद हुईं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, अकेले ढाका में 1 से 8 नवंबर के बीच कम से कम 15 कच्चे बम विस्फोट हुए। बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर सड़क हिंसा कोई नई बात नहीं है, लेकिन इन घटनाओं का समय महत्वपूर्ण है। हसीना, जो अगस्त 2024 में बांग्लादेश छोड़ने के बाद से भारत में रह रही हैं, ने इस साल अगस्त में घोषणा की थी कि वह दिसंबर तक अपने देश लौटना चाहती हैं। उनकी वापसी से नए सिरे से उथल–पुथल मच सकती है क्योंकि उन्हें मौत की सजा का सामना करना पड़ रहा है, उनकी अवामी लीग पर प्रतिबंध जारी है, और उनके समर्थक और विरोधी उनके भविष्य को लेकर बंटे हुए हैं। हसीना को सत्ता से बेदखल करने के बाद, मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने हसीना की अवामी लीग पर प्रतिबंध लगा दिया।

सत्ता, सुरक्षा और सीक्रेट अफेयर

क्या दो महिलाओं से रिश्तों के चलते छिनेगी एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग की बादशाहत ?

वैश्विक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चिप बाजार की सिरताज कंपनी एनवीडिया एक बड़े कॉरपोरेट विवाद के केंद्र में आ गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कंपनी का बोर्ड अपने सह–संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेन्सेन हुआंग को उनके पद से हटाने पर विचार कर रहा है। यह गंभीर कदम उनके दो कथित विवाहेतर संबंधों के खुलासे के बाद उठाया जा रहा है। इनमें से एक संबंध एक ऐसी महिला व्यवसायी के साथ है, जिस पर अमेरिकी खुफिया अधिकारियों को चीनी खुफिया तंत्र से जुड़े होने का शक है। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के अनुसार, मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि एनवीडिया का बोर्ड गुरुवार को बैठक कर सकता है, जिसमें कंपनी में हुआंग के भविष्य पर चर्चा की जाएगी। 63 वर्षीय इस अधिकारी की बढ़ती जांच और इन आरोपों के कंपनी पर पड़ने वाले संभावित असर के बीच ये घटनाक्रम सामने आए हैं। वहीं, श्द न्यूयॉर्क टाइम्सश ने रिपोर्ट दी है कि हुआंग का एनवीडिया की हेल्थकेयर उपाध्यक्ष किम्बर्ली पॉवेल के साथ विवाहेतर संबंध था, जो सीधे उनके अधीन काम करती हैं। कंपनी में काम कर चुके पांच लोगों का हवाला देते हुए अखबार ने बताया कि इस रिश्ते के बारे में पहले कोई जानकारी सामने नहीं आई थी।

एनवीडिया के ब्म जेन्सेन हुआंग पर क्या आरोप हैं?

द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, मार्च में कैलिफोर्निया के सैन होस में एनवीडिया की एक कॉन्फ्रेंस के दौरान, हुआंग और 48 वर्षीय पॉवेल को एक होटल में एक–दूसरे के साथ अंतरंग व्यवहार करते हुए वीडियो में देखा गया था। कंपनी की वेबसाइट के मुताबिक, पॉवेल 2008 में एनवीडिया से जुड़ी थीं। वह उच्च शिक्षा और हेल्थकेयर (खासकर मेडिकल इमेजिंग डिवाइस) के क्षेत्र में कंपनी की चिप तकनीक के इस्तेमाल से जुड़े कार्यक्रमों की देखरेख करती हैं। इस कथित रिश्ते ने एनवीडिया की कार्यस्थल नीतियों पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। कंपनी के श्कोड ऑफ कंडक्ट (आचार संहिता) के अनुसार, कर्मचारियों को ऐसी स्थितियों से बचना चाहिए जिससे हितों का टकराव पैदा हो सके, जिसमें निजी संबंध भी शामिल हैं। अखबार के मुताबिक, कंपनी का यह भी कहना है कि वह कदाचार की किसी भी रिपोर्ट की तुरंत जांच करती है। कई कंपनियों में ऐसी नीतियां होती हैं जो मैनेजर और उनके अधीन काम करने वाले कर्मचारियों के बीच संबंधों को प्रतिबंधित करती हैं, खासकर तब जब कोई कर्मचारी सीधे किसी मैनेजर को रिपोर्ट करता हो। ये नए खुलासे, हुआंग और एलिस हुआंग के बीच कथित संबंधों की जांच के बाद सामने आए हैं। एलिस हुआंग एक चीनी बिजनेसवुमन और एग्जीक्यूटिव हैं, जो सिंगापुर स्थित डेटा कंपनी मेगास्पीड से जुड़ी हैं। मेगास्पीड, एनवीडिया की एक प्रमुख ग्राहक है। अमेरिकी खुफिया अधिकारियों ने इस चीनी एग्जीक्यूटिव को कथित तौर पर चीनी खुफिया तंत्र से जुड़ा व्यक्ति माना है। इन आरोपों ने एनवीडिया (छअपकप) प्रमुख से जुड़ी जांच में एक नया पहलू जोड़ दिया है, क्योंकि इस कथित संबंध के सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ सकते हैं। श्द वॉल स्ट्रीट जर्नलश की रिपोर्ट के अनुसार, एलिस हुआंग के साथ संबंध वही मामला है, जिसे जेनसेन हुआंग ने रविवार को एनवीडिया के कर्मचारियों को लिखे एक पत्र में स्वीकार किया था। इस पत्र में उन्होंने माना कि उन्होंने अपनी पत्नी को धोखा दिया है और उनका भरोसा तोड़ने के लिए माफी मांगी। इस खुलासे के बाद, एनवीडिया के बोर्ड ने कथित तौर पर मामले की जांच शुरू कर दी है।





प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।